MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 24 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-141

चलो अमरनाथ बम बम

3 जुलाई से यात्रा, भक्तों में भारी उत्साह

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर। दर्शन करते हुए सेना के जवान।

श्रीनगर, 23 मई (एजेंसियां)।

वर्ष 2026 की पवित्र अमरनाथ जी यात्रा पर आने वाले बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए एक अच्छी खबर है। बाबा बर्फानी अमरनाथ जी की पवित्र गुफा में पूर्ण आकार में अपने भक्तों को साक्षात दर्शन देने के लिए प्रकट हुए हैं। वहीं भक्तों को हर सुविधा प्रदान करने के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) और प्रशासन सभी तैयारियां तेजी से जारी रखे हुए हैं ताकि यात्रा पर आने वाले भक्तों को किसी तरह की असुविधा न हो।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पूर्व पवित्र गुफा तक के रास्ते और गुफा के आस-पास चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने गई एक टीम द्वारा बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर अपने साथ कैमरे में कैद की और इस तस्वीर से हम आपको इस वर्ष पवित्र गुफा में प्रकट हुए हिम शिवलिंग के पहले दर्शन करवाएंगे। पवित्र अमरनाथ गुफा में ली गई यह ताजा तस्वीरें और वीडियो दर्शाती हैं कि पवित्र हिमलिंग अपने पूर्ण आकार में भक्तों को साक्षात दर्शन देने के लिए प्रकट हुए हैं। तस्वीर में बाबा बर्फानी का आकार करीब 7-10 फीट का दिख रहा है। वीडियो में सुरक्षाबल के जवान प्राकृतिक रूप से बने हिम ▶8पर

हिजबुल्लाह-स्टाइल ड्रोन हमले का खतरा

कश्मीर में 4 आतंकी घुसे, 6 सैन्य ठिकाने निशाने पर

नयी दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी अब हिजबुल्लाह की तर्ज पर ड्रोन हमलों की साजिश रच रहे हैं। खुफिया एजेंसियों को 26 अप्रैल को इनपुट मिला कि दक्षिण लेबनान का रहने वाला आतंकी शादाब बाजी पाकिस्तान के रास्ते भारत में दाखिल हुआ है। उसके साथ तीन पाकिस्तानी आतंकियों ने भी घुसपैठ की है। लेबनानी आतंकी हिजबुल्लाह ड्रोन हमलों में माहिर होते हैं। खुफिया एजेंसी को शक है कि संदिग्ध आतंकी कश्मीर में ड्रोन हमलों की तैयारी कर रहे हैं। आतंकियों की उम्र 23 से 25 साल के बीच है। इनके निशाने पर कश्मीर में मौजूद सैन्य ठिकाने हैं। खुफिया एजेंसियों को छह टारगेट के नाम भी मिले हैं। पुंछ के गगरिया और कुंडे नाला इलाके से आतंकियों के घुसपैठ की आशंका है। ये इलाका नियंत्रण रेखा से जीरो पॉइंट पर है। यहां पाकिस्तान और भारत के बीच नियंत्रण रेखा पहाड़ों और जंगल के बीच से गुजरती है। ये घुसपैठ का सबसे सुरक्षित रास्ता है। पीर पंजाल रेंज के काजीगुंड (देवसर इलाके) में संदिग्ध आतंकियों की गतिविधि देखी गई है। जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने से लेकर आगे जाने तक दो स्थानीय गाइडों ने इनकी मदद की। दोनों जम्मू के रियासी के रहने वाले हैं। ये आतंकियों को घने जंगल वाले इलाकों में आने-जाने और रास्ता दिखाने में मदद कर रहे हैं। लॉजिस्टिक मदद भी पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा कारणों से गाइडों के नाम नहीं बताए जा रहे हैं।

घुसपैठ करने वाले चारों संदिग्ध आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के हाइब्रिड मॉडल पर काम कर रहे हैं। इनमें 23 साल का जाकिर खान और 24 साल का जुल्फखान शिकारी उर्फ आमिर खान पाकिस्तान का रहने वाला है। इनमें से जाकिर मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब के गांव फरीदकोट का रहने वाला है। 25 साल का मीर हमजा उर्फ अबू पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का है, जबकि शादाब बाजी उर्फ मोहम्मद उस्मान लेबनान का रहने वाला है। हिजबुल्लाह आतंकी शादाब बाजी की घुसपैठ को लेकर खुफिया एजेंसियों ने इंटरनल मैसेज में अलर्ट जारी किया है। ▶8पर

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर आग

नयी दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)।

देश में आम जनता पर महंगाई की एक और मार पड़ी है। दिल्ली के ईंधन डीलरों से मिली जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी सहित देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस ताजा संशोधन के तहत पेट्रोल की कीमत में 0.87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 0.91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। नई दरें आज सुबह 6 बजे से लागू कर दी गई हैं।

इस महीने यह तीसरी बार है जब ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह की शुरुआत में, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी, इससे कुछ दिन पहले ही 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी।

इस बढ़ोतरी के बाद माल ढुलाई महंगी होने की आशंका है, जिससे आने वाले दिनों में रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं।

डीलरों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए उतार-चढ़ाव और तेल कंपनियों की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया गया है। अलग-अलग राज्यों में स्थानीय वैट और माल ढुलाई शुल्क के कारण ईंधन की कीमतें भिन्न हो सकती हैं।

सीमा पर भारत-बांग्लादेश आमने-सामने

तारबंदी रोकने पर तनाव, बीजेपी के कड़े तेवर

चेंगड़ाबांधा, 23 मई (एजेंसियां)।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया है। तीनबीघा कारिडोर से सटे दहग्राम-अंगारपोटा सीमा क्षेत्र में कंटीले तार की बाड़ लगाने को लेकर शुक्रवार को अचानक स्थिति गर्मा गई।

आरोप है कि सीमा पर जमीन मापने का कार्य शुरू होते ही बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने आपत्ति जताई, जिसके परिणामस्वरूप पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया। सूत्रों के अनुसार, मेखलीगंज ब्लाक के सीमावर्ती खुले इलाकों में तारबंदी पूरी करने के लिए लगभग 105 एकड़ जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता है। इनमें से लगभग 80 एकड़ जमीन भारत के भीतर स्थित बांग्लादेशी छिटमहल दहग्राम-अंगारपोटा इलाके में आती है। इसी प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारी जमीन मालिकों की मौजूदगी में जमीन की माप-जोख कर रहे थे। तभी कुछ बांग्लादेशी नागरिकों और बीजीबी जवानों

ने इस कार्य पर आपत्ति जताई, जिससे सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

हालांकि, सीमा सुरक्षा बल ने संयम बरतते हुए हालात को संभाला और किसी बड़े टकराव को टाल दिया। वहीं घटना के बाद शनिवार को विधायक दधिराम राय खुद सीमा क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सीमा पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई। बैठक में बीएसएफ की 174वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर विनोद सिंह तथा बीजीबी की ओर से नाजियुर रहमान समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

घटना के बाद सीमावर्ती गांवों के लोगों में भी नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय निवासी विष्णुपद राय और जयनाथ राय ने कहा कि भारतीय जमीन पर विकास कार्य करने में बार-बार अड़चने पैदा की जा रही हैं। उनका कहना था कि शुक्रवार को भी भारत की जमीन पर काम रोका गया। लेकिन बीएसएफ ने बेहद धैर्य और समझदारी से हालात संभाले।

45 दिनों में तारबंदी पूरी करने का अल्टीमेटम

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सीमा पर घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए तेजी से तारबंदी का कार्य पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा सकती है।

बैठक के बाद विधायक दधिराम राय ने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार अगले 45 दिनों के भीतर कंटीले तार की बाड़ लगाने का कार्य पूरा करना होगा। देश की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अगर बांग्लादेश की ओर से किसी तरह की बाधा आती है तो उसका सख्ती से सामना किया जाएगा।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 28^0

वक्फ वकील की संदिग्ध हत्या

मसाब टैंक के पास कार से कुचला

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वरिष्ठ वकील खाजा मोइजुद्दीन की शनिवार की सुबह उनके निवास के पास मसाब टैंक-शांति नगर इलाके में एक कार द्वारा कथित तौर पर टक्कर मारने के बाद संदिग्ध निशाना बनाकर हत्या कर दी गई। शुरू में हिट-एंड-रन मामले के तौर पर दर्ज की गई इस घटना को अब हत्या की जांच में तब्दील कर दिया गया है, और पुलिस को शक है कि इसका संबंध वक्फ जमीनों के चल रहे विवादों से है। मोइजुद्दीन, जो लगभग 35 वर्षों से तेलंगाना उच्च न्यायालय और सिटी सिविल कोर्ट में वकालत कर रहे थे, टक्कर के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

पुलिस के अनुसार, वकील नामपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में अपने निवास के बाहर अपने वाहन में बैठ रहे थे, जब एक अन्य वाहन ने कथित तौर पर तेजी से उनकी ओर बढ़कर पीछे से उन्हें टक्कर मारी।

आरोपी घटना के तुरंत बाद ही फरार हो गये। परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने घायल वकील को एक नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सीसीटीवी फुटेज, जो सोशल मीडिया पर सामने आई, में कथित तौर पर दिखाया गया है कि वाहन ने जानबूझकर वकील को टक्कर मारी, जिससे एक योजनाबद्ध हमले की आशंका और मजबूत हो गई है। ▶8पर

ट्रंप की बेटी इवांका को मारने की साजिश नाकाम

वॉशिंगटन, 23 मई (एजेंसियां)।

ईरान-अमेरिका में जारी तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है। अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक, आईआरजीसी से जुड़े एक आरोपी ने इवांका की हत्या की प्लानिंग बनाई थी। पकड़ा गया आरोपी इवांका के घर का नक्शा लेकर घूम रहा था।

बता दें कि आरोपी कथित तौर पर ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेना चाहता था। आरोपी की पहचान मोहम्मद बाकेर अल-सादी के तौर पर हुई है, जो एक इराकी नागरिक है। वह कताइब हिजबुल्लाह नाम के संगठन का सीनियर मेंबर है। कताइब हिजबुल्लाह, अमेरिका में जगह-जगह विस्फोट की तैयारी कर रहा है।

बताया जा रहा है कि आतंकी अल-सादी के पास इवांका के घर का पूरा पता था। हमले को लेकर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। उन्हें अंदेशा है कि ट्रंप की फैमिली के लोगों को निशाना बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 32 साल के मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप को जान से मारने की कसम खाई थी। सूत्रों के अनुसार, उसके पास से एजेंसी को फ्लोरिडा स्थित इवांका ट्रंप के घर का ब्लूप्रिंट भी मिल गया है। ▶8पर

दुनिया भर में मैजिक एंड ओकल्ट साइंस कोर्स की हो रही चर्चा

लंदन

ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी आफ एक्जेटर ने मैजिक एंड ओकल्ट साइंस नाम से एक विशेष मास्टर्स डिग्री कोर्स शुरू किया है, जिसने दुनियाभर में चर्चा पैदा कर दी है। इस कोर्स को लेकर लोग इसे रियल हागवर्ट्स तक कहने लगे हैं। यूनिवर्सिटी ने इस कोर्स की शुरुआत वर्ष 2024 में की थी और अब 2026 के लिए भी इसमें दाखिले जारी हैं।

यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार जादू-टोना, रहस्यवाद और ओकल्ट साइंस के प्रति युवाओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए यह कोर्स शुरू किया गया है। कोर्स से जुड़े प्रोफेसरों का कहना है कि आज की पीढ़ी इन विषयों को केवल मनोरंजन के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से समझना चाहती है। इस एमए प्रोग्राम में छात्रों को दुनिया की विभिन्न जादुई परंपराओं और रहस्यमयी मान्यताओं का अध्ययन कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम में पूर्वी और पश्चिमी संस्कृतियों में जादू के प्रभाव, विज्ञान और अंधविश्वास के बीच संबंध, ड्रैगन से जुड़ी पौराणिक कथाएं, किंग आर्थर की कथाएं, इस्लामी विचारधारा में रहस्यवाद और समाज में विचक्राफ्ट की भूमिका जैसे विषय शामिल किए गए हैं। यह एक वर्षीय कोर्स है, जिसमें छात्र अपनी रुचि के अनुसार अलग-अलग माड्यूल चुन सकते हैं। हालांकि यूनिवर्सिटी ने साफ किया है कि यहां फिल्मों की तरह उड़ने वाली झाड़ू, जादुई छड़ी या पाशन्स क्लास जैसी चीजें नहीं होंगी। इसके बजाय छात्रों को जादू और रहस्यवाद की ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक समझ विकसित कराई जाएगी। यूनिवर्सिटी आफ एक्जेटर के इस फैसले ने दुनियाभर के हैरी पाटर प्रशंसकों में उत्साह बढ़ा दिया है।

ब्रिटेन के अलावा अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया और यूरोप के कई देशों से छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी यह कोर्स तेजी से चर्चा में बना हुआ है और लोग इसे अपने बचपन के सपनों से जोड़कर देख रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोर्स केवल मनोरंजन आधारित नहीं बल्कि गंभीर अकादमिक अध्ययन का हिस्सा है। इसके माध्यम से छात्रों को यह समझने का अवसर मिलेगा कि इंसान सदियों से जादू, रहस्य और अलौकिक शक्तियों की ओर क्यों आकर्षित होता रहा है। पाठ्यक्रम में छात्रों को रिसर्च प्रोजेक्ट भी करना होगा, जिसमें वे किसी जादुई परंपरा या रहस्यवादी विचारधारा पर गहराई से अध्ययन करेंगे। यूनिवर्सिटी का वातावरण भी इस कोर्स की लोकप्रियता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की साजिश नाकाम, ईरान समर्थित इराकी आतंकवादी गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय साजिश

का भंडाफोड़ हुआ है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक खतरनाक इराकी आतंकवादी मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या की कसम खाई थी। हाल ही में गिरफ्तार किए गए इस आतंकवादी के पास से फ्लोरिडा में इवांका ट्रंप के आवास का नक्शा भी बरामद हुआ है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी। अल-सादी सुलेमानी को अपने पिता समान मानता था। उसने सोशल मीडिया पर इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर के फ्लोरिडा स्थित महलनुमा घर का नक्शा पोस्ट कर धमकी दी थी कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भी उन्हें नहीं बचा पाएगी और उनका बदला बस समय की बात है। इवांका ट्रंप, जिन्होंने शादी से पहले यहूदी धर्म अपना लिया था, इस साजिश का मुख्य निशाना थीं। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह रूस भागने की फिराक में था। प्रत्यर्पण के बाद उसे अमेरिका लाया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 आतंकी हमलों और कोशिशों के आरोप हैं। इसमें मार्च 2026 में एम्स्टर्डम के एक बैंक पर बमबारी, टोरंटो में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर गोलीबारी, लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला और बेल्जियम व राटरडैम में धार्मिक स्थलों पर आगजनी शामिल है। वह कताइब हिजबुल्लाह और आईआरजीसी दोनों का सक्रिय गुर्गा है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का आधिकारिक सर्विस पासपोर्ट था, जो केवल प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को मिलता है। इस वीआईपी पासपोर्ट की मदद से वह सुरक्षा जांच से बचकर आसानी से विभिन्न देशों के वीजा हासिल कर लेता था। उसने आतंकी नेटवर्क चलाने के लिए एक ट्रैवल एजेंसी भी बना रखी थी। वह सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय था, जहां वह दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अपनी तस्वीरें और साइलेंसर लगी पिस्तौल की तस्वीरें पोस्ट कर पीड़ितों को डराता था।

नेपाली सेना के अवकाशप्राप्त जनरलों का सम्मेलन

काठमांडू। नेपाली सेना के मुख्यालय में सेवानिवृत्त सेना के जनरल के साथ अन्तरक्रिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेपाली सेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक शनिवार को सम्पन्न इस अन्तरक्रिया कार्यक्रम में नेपाली सेना के स्थापना काल से निभा रही जिम्मेदारियों, महत्वपूर्ण कार्यों तथा कल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े समसामयिक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर नेपाली सेना प्रधान सेनापति जनरल अशोक राज सिग्देल ने कहा कि नेपाली सेना के समयानुकूल आधुनिकीकरण और क्षमता विकास के लिए राष्ट्र एवं संस्था के प्रति समर्पित वरिष्ठ नेतृत्व से लगातार प्रेरणा मिलते रहने पर उनके अमूल्य योगदान के प्रति उच्च सम्मान व्यक्त किया। नेपाली सेना ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के बीच निरंतर संबंध बनाए रखने में मदद मिलती है।

महिला को लगी खून पीने की लत, रोज पीती है एक लीटर खून

वाशिंगटन। 29 वर्षीय मिशेल नाम की महिला ने खुलासा किया कि उसे पिछले कई वर्षों से खून पीने की लत है।

मिशेल पेशे से टैटू आर्टिस्ट हैं। लोकप्रिय रियलिटी शो माई स्ट्रेंज एडिक्शन में महिला ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से वह इस अजीब आदत की गिरफ्त में हैं। मिशेल का दावा है कि वह रोजाना लगभग एक लीटर खून पीती है और इसके बिना खुद को सामान्य महसूस नहीं करती। उनके अनुसार खून पीना उनके लिए पानी जितना जरूरी बन चुका है। वह कहती हैं कि इस आदत ने उन्हें डिप्रेशन से बाहर निकलने में मदद की और अब यह उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गई है। मिशेल अपने घर के फ्रिज में खून की बोतलें स्टाक करके रखती हैं और सुबह उठते ही खून पीकर दिन की शुरुआत करती हैं। उनका कहना है कि यदि उन्हें खून न मिले तो वह बेचैन और चिड़चिड़ी हो जाती हैं। मिशेल ने शो में बताया कि इस लत की शुरुआत तब हुई जब उन्होंने गलती से अपने खून का स्वाद चखा। इसके बाद उन्होंने जानवरों का खून पीना शुरू कर दिया। उन्हें खासतौर पर गाय और सूअर का खून पसंद है। उनके मुताबिक सूअर का खून स्वाद में बेहतर लगता है। वह कई बार खून को काफी में मिलाकर भी पीती हैं। मिशेल ने बताया कि वह हर महीने करीब एक गैलन यानी लगभग 3.78 लीटर सूअर का खून इस्तेमाल करती हैं।

हथियारों का घटता भंडार : अमेरिका की इस कमजोरी ने ट्रंप को बातचीत के लिए किया मजबूर

वाशिंगटन

मध्य पूर्व में भीषण तनाव के बाद, वैश्विक राजनीति से चौंकाने वाली और राहत भरी खबर आई है। लंबे समय से धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौते के मसौदे पर अप्रत्यक्ष रूप से चर्चा जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देश ओमान और अन्य मध्यस्थों के जरिए लगातार संदेशों और समझौतों के ड्राफ्ट का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

इसकी पुष्टि तब और मजबूत हुई जब ईरान के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के वार्ताकार एक ऐतिहासिक सहमति पर पहुंचने के बेहद करीब हैं। हालांकि, कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि बातचीत बहुत आगे बढ़ चुकी है, लेकिन अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होता या नहीं, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। इस बीच, पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारी भी विशेष मध्यस्थता मिशन के तहत ईरान में हैं, जहां वे स्ट्रेट आफ होर्मुज के समुद्री मार्ग को सुरक्षित और खुला रखने पर चर्चा कर रहे हैं। इस बेहद गोपनीय और अचानक शुरू हुई बातचीत के पीछे एक ऐसा सैन्य कारण सामने आया है जिसने अमेरिकी सुरक्षा गुट में हड़कंप मचा दिया है।

अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल-ईरान युद्ध में इजरायल की रक्षा करते-करते अमेरिका का खुद का आधुनिक मिसाइल डिफेंस इन्वेंट्री (हथियारों का स्टाक) करीब खाली होने की कगार पर पहुंच गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पेंटागन ने इजरायल को ईरानी मिसाइलों से बचाने के लिए अपनी क्षमता से बाहर जाकर अंधाधुंध गोला-बारूद और इंटरसेप्टर मिसाइलें दागी हैं, जिससे खुद अमेरिका पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका ने इजरायल की रक्षा में 200 से अधिक थाडा और पूर्वी भूमध्य सागर में तैनात युद्धपोतों से 100 से अधिक एसएम-3 व एसएम-6 इंटरसेप्टर दागे।

इस भारी गोलाबारी के कारण पेंटागन के पास मौजूद कुल मिसाइल स्टाक का करीब आधा हिस्सा खत्म हो चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि खुद इजरायल ने अपने बचाव में अपनी एरो मिसाइलों के 100 से भी कम और डेविड्स स्लिंग के केवल 90 इंटरसेप्टर फायर किए, यानी इजरायल से कहीं ज्यादा अमेरिकी हथियारों का नुकसान हुआ, जिसने वाशिंगटन को ईरान के साथ टेबल पर आने के लिए मजबूर किया है। भले ही अमेरिका कूटनीतिक समझौते की राह पर बढ़ रहा है, लेकिन ट्रंप का तेहरान के प्रति रुख अभी भी बेहद आक्रामक है।

वाशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि इस समझौते के तहत ईरान को परमाणु हथियार बनाने की अनुमति कतई नहीं दी जाएगी। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि ईरान के पास जो भी एनरिच यूरेनियम है, वह अपने पास नहीं रख पाएगा, अमेरिका उस यूरेनियम को जब्त कर लेगा और संभवत: नष्ट कर देगा। ट्रंप ने बातचीत को अपनी एक बड़ी जीत के रूप में पेश करते हुए अमेरिकी जनता को आर्थिक मोर्चे पर बड़ी राहत का वादा किया।

उन्होंने कहा कि ईरान का यह विवाद जल्द समाप्त होगा, जिससे वैश्विक बाजार स्थिर होगा और देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बहुत नीचे गिर जाएंगी। यह बयान मिडिल ईस्ट में शांति लाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की उनकी मंशा को दिखाता है। वर्तमान में चल रही यह वार्ता एक नाजुक मोड़ पर है। ईरान जहां अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों और इजरायली हमलों से पस्त हो चुका है और प्रतिबंधों से राहत चाहता है, वहीं अमेरिका यूक्रेन, ताइवान और अब मिडिल ईस्ट में त्रिकोणीय सैन्य दबाव झेलने के बाद अपने सैन्य संसाधनों को पुन: सुरक्षित करना चाहता है। स्ट्रेट आफ होर्मुज जैसे रणनीतिक जलमार्ग पर व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा भी इस डील का एक बड़ा हिस्सा है, क्योंकि दुनिया का एक-तिहाई तेल इसी रास्ते से गुजरता है।

यदि यह समझौता सफल रहता है, तब इस दशक की सबसे बड़ी कूटनीतिक कामयाबी माना जाएगा। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस डील को लेकर क्या रुख अपनाते हैं, यह देखना अभी बाकी है, क्योंकि इजरायल हमेशा से ईरान के साथ किसी भी तरह के समझौते का विरोध करता रहा है। लेकिन फिलहाल, वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ रही यह नजदीकी इस बात का साफ संकेत है कि दोनों पक्ष युद्ध की तबाही से थक चुके हैं और अब बातचीत के जरिए हल निकालने की आखिरी कोशिश में जुटे हैं।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से दिया इस्तीफा, पति को कैंसर होने के कारण देखभाल जरुरी

वाशिंगटन

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शुक्रवार को ओवल आफिस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई एक बैठक के दौरान उन्हें इस फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है, जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा।गबार्ड ने अपने फैसले के पीछे पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने बताया कि उनके पति अब्राहम को हाल ही में हड्डियों के एक दुर्लभ कैंसर की बीमारी का पता चला है। गबार्ड ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आने वाले महीनों में उनके पति के सामने बड़ी चुनौतियां हैं, इसलिए इस कठिन समय में वे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर पूरी तरह अपने पति के साथ रहना चाहती हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गबार्ड के इस फैसले पर दुख जताते हुए उनके काम की सराहना की है। ट्रंप ने कहा कि तुलसी ने प्रशासन में अद्भुत काम किया है और वे इस कठिन लड़ाई में अपने पति के साथ खड़ी हैं। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि उनके पति जल्द ही पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। गबार्ड के हटने के बाद, प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर एरान लुकास कार्यवाहक राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

तुलसी गबार्ड का भारत से कोई सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है और वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि, उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं, जिसके कारण गबार्ड का बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से गहरा जुड़ाव रहा। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने भगवद गीता पर हाथ रखकर ही अपने पद की शपथ ली थी। वे भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की हमेशा वकालत करती रही हैं। वर्ष 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें भगवद गीता भेंट की थी। इसके अलावा, मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारतीय अधिकारियों के साथ चर्चा भी की थी। बता दें कि 12 अप्रैल 1981 को जन्मीं तुलसी गबार्ड हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद रह चुकी हैं। पहले वे डेमोक्रेटिक पार्टी में थीं, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद साल 2025 में उन्हें अमेरिका का राष्ट्रीय खुफिया निदेशक नियुक्त किया गया था।

नेपाल के पांचथर में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही

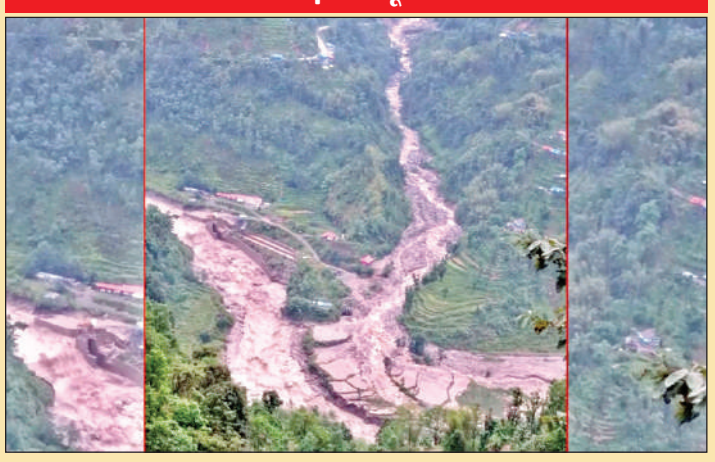

काठमांडू। नेपाल के पाँचथर जिले में बाढ़ और भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। शनिवार सुबह आई बाढ़ के कारण सड़क, पुल, खेती योग्य जमीन और घरों को क्षति पहुंची है। मध्यपहाड़ी लोकमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। ओयाम बाजार के पास भूस्खलन हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार फलैचा और च्याङथापु के विभिन्न स्थानों पर खेत बह गए हैं। च्याङथापु में दो घरों को भी नुकसान पहुंचने की जानकारी मिली है। पाँचथर से ताप्लेजंग जाने वाले मार्ग पर इन्द्रावती नदी के पुल को क्षति पहुंची है। इसी तरह तमोर कारिडोर के निर्माणाधीन लिम्बुनी पुल को भी नुकसान हुआ है। पड़ोसी जिला ताप्लेजुंग के सिदिंडबा क्षेत्र में भी बाढ़ और भूस्खलन से नुकसान होने की बात स्थानीय लोगों ने बताई है। कावेली और तमोर नदियों में बाढ़ आ गई है। पाँचथर के पुलिस प्रमुख डीएसपी अनिश कर्ण ने जानकारी दी कि बाढ़ और भूस्खलन से सड़क, पुल और फसलों को नुकसान पहुंचने की खबरें मिली हैं तथा क्षति का विवरण एकत्र करने का काम जारी है।

अमेरिकी यात्रा से कनाडाई नागरिकों का घटता मोह, आंकड़ों में स्पष्ट गिरावट

ओटावा

कनाडा और अमेरिका के बीच दशकों पुरानी दोस्ती में नई दरार साफ दिख रही है। हालिया सरकारी आंकड़े बताते हैं कि कनाडाई नागरिक अब पहले की तरह अमेरिका की यात्रा नहीं कर रहे हैं। यह गिरावट कोई चंद महीनों की नहीं, बल्कि लगातार 15 महीनों से दर्ज की जा रही है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक और आर्थिक तनाव को दिखाती है।

कनाडा के अनुसार, मार्च में कनाडाई निवासियों ने अमेरिका के लिए कुल 2.6 मिलियन राउंड ट्रिप कीं, जो बीते साल की तुलना में 6.4 प्रतिशत कम है। हवाई यात्राओं में 10.8 प्रतिशत (934,100 यात्राएं) और कार यात्राओं में 3.3 प्रतिशत (1.6 मिलियन यात्राएं) की उल्लेखनीय कमी आई है। यहां तक कि छोटी, एक ही दिन की यात्राओं में भी गिरावट है, जो कुल यात्राओं का लगभग 63.7 प्रतिशत थीं। पिछले कुछ वर्षों से तुलना में कनाडाई यात्राओं में लगभग 28 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिसमें कार यात्राएं 33.7 प्रतिशत तक गिर गई हैं। इस बदलती प्रवृत्ति के पीछे कई कारण हैं। अमेरिकी नीतियों और बयानों को लेकर कनाडा में बढ़ती असहजता, जैसे टैरिफ और 51वीं राज्य वाली टिप्पणियां, राजनीतिक तनाव बढ़ा रही हैं। बाय कनाडाई जैसे आंदोलनों ने भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया है।

आर्थिक रूप से, कनाडाई डालर के मुकाबले अमेरिकी डालर का मजबूत होना अमेरिका में यात्रा को महंगा बना रहा है। ट्रैवल विशेषज्ञ एक प्रमुख कारण मानते हैं, जिससे कई परिवारों के लिए अमेरिका की यात्रा बजट से बाहर हो गई है। हालांकि, स्नोबर्ड्स (जो सर्दियों में गर्म राज्यों में जाते हैं) अभी भी अपनी यात्राएं जारी रखे हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह प्रवृत्ति एकतरफा नहीं है। अमेरिका से कनाडा आने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। मार्च में, 1.3 मिलियन अमेरिकी यात्रियों ने कनाडा की यात्रा की, जो पिछले साल की तुलना में 4.4 प्रतिशत अधिक है। कार और हवाई दोनों माध्यमों से यात्राओं में हल्की बढ़त देखी गई है, जिससे पता चलता है कि जहां कनाडाई अमेरिका से दूर हो रहे हैं, वहीं अमेरिकी कनाडा को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देख रहे हैं।

अमेरिका को सबक सिखाने तेजी से हथियार बना रहा ईरान

वाशिंगटन

अमेरिका और इजरायल के हालिया हमलों में हुए भारी नुकसान के बाद ईरान एक बार फिर खुद को सैन्य रूप से तैयार करने में जुट गया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान अपनी सैन्य ताकत को फिर से मजबूत बनाने पर जोर दे रहा है और उसकी पुनर्निर्माण की गति उम्मीद से कहीं अधिक तेज है। अनुमान है कि ईरान अगले छह महीनों के भीतर अपनी ड्रोन क्षमता को पूरी तरह से फिर से खड़ा कर सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, युद्धविराम की इस अवधि के दौरान ईरान ने ड्रोन का उत्पादन फिर से शुरू भी कर दिया है। खुफिया आकलनों से परिचित सूत्रों का कहना है कि ईरानी सेना शुरुआती अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए बेहद तेजी से काम कर रही है। ईरानियों ने ड्रोन, मिसाइल साइट्स, लान्चर्स और प्रमुख हथियार प्रणालियों को बदलने की समय सीमा को पार कर लिया है, जिनमें से कई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों में नष्ट हो गए थे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब दोनों देशों के बीच युद्ध को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में राजनयिक कोशिशें जारी हैं। इसी सिलसिले में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की और शांति वार्ता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान दोनों संघर्षरत देशों के बीच की खाई को पाटने और क्षेत्र में तनाव समाप्त करने के प्रयासों को तेज कर रहा है, जिसके तहत पिछले कुछ समय में उच्च स्तरीय वार्ताओं का आयोजन भी किया गया है। हालांकि, इन निरंतर राजनयिक प्रयासों के बावजूद ईरान और अमेरिका के बीच मतभेद बरकरार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चेतावनी दी है कि यदि कोई ठोस समझौता नहीं हुआ, तो कुछ ही दिनों में सैन्य हमले फिर से शुरू कर दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि खाड़ी के अरब नेताओं के अनुरोध पर ही आखिरी समय में हमला टाला गया था। दूसरी ओर, ईरान ने भी कड़ा रुख अपना रखा है। ईरानी विदेश मंत्री ने चेतावनी दी है कि यदि युद्ध दोबारा शुरू हुआ, तो इसके कई अप्रत्याशित परिणाम होंगे। इसके साथ ही ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने भी साफ किया है कि ईरान पर किया गया कोई भी अगला हमला एक ऐसे बड़े संघर्ष को जन्म देगा जो पश्चिम एशिया की सीमाओं को पार कर जाएगा। फिलहाल दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर होने के बावजूद एक-दूसरे को मुंहतोड़ जवाब देने की पूरी तैयारी में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा. आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है. शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 मई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 04:33 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 02:41 तक
योग : हर्षण रात्रि 03:43 तक
करण : बालव सायं 04:26 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू है , दुर्गा नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री जगन्नाथ सेवा समिति का पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ जारी

गोल्डन टेम्पल में तृतीय दिवस संपन्न

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का तृतीय दिवस संपन्न हुआ। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन के संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाले श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु गोल्डन टेम्पल में आज के तृतीय दिवस के यज्ञ में श्री जगन्नाथ सेवा समिति के कार्यक्रम संयोजक श्री शंकर लाल अग्रवाल थे।

यजमानों में श्री सुमेरचंद जी प्रवीण कुमार जी परिवार से प्रवीण कुमार जी अग्रवाल – श्रीमती प्रमिला जी अग्रवाल, बिशम्भर लाल जी सुरेश कुमार जी के परिवार से श्री सुभाष चंद जी अग्रवाल – श्रीमती आशा देवी अग्रवाल, नारायणी ज्वैलर्स परिवार से श्री विपिन कुमार अग्रवाल – श्रीमती मीनाक्षी अग्रवाल, श्री हंसराज जी आनंद कुमार जी परिवार से श्री केशव अग्रवाल – श्रीमती शिमोनी अग्रवाल, श्री सत्यनारायण जी गोपाल दास जी बंग परिवार से श्री विमल किशोर जी बंग – श्रीमती कोमल बंग हैं। प्रसाद के यजमान में श्री सुन्दरमल जी मुकुंद लाल जी सोंथलिया, श्री विठ्ठल दास जी महेंद्र कुमार जी, श्री रमण लाल जी रितेश कुमार जी द्वारा प्रसाद अर्पित किया गया। सभी यज्ञ एवं प्रसाद के यजमानों द्वारा विशेष आरती आयोजित की गई।

यज्ञ शाला में पधारने वाले महानुभाव में श्री रमेश कुमार जी गुप्ता, श्री राजेंद्र कुमार जी गुप्ता, श्री बिमल केडिया, नारायणी ज्वेलर्स के श्री अमित कुमार अग्रवाल, जगन्नाथ सेवा समिति के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, आदि उपस्थित थे। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल द्वारा सभी सनातन प्रेमियों से यज्ञ के दर्शन कर प्रसाद प्राप्त करने हेतु आग्रह किया है।

भारतीय योग संस्थान का मोटापा रोग निवारण शिविर का समापन कल

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित मोटापा रोग निवारण शिविर का समापन सोमवार 25 मई 2026 को किया जाएगा।

चतुर्थ दिवस पर शिविर में भारी संख्या में 140 साधकों ने सामूहिक रूप से आसनों और प्राणायाम के माध्यम से तन–मन को स्वस्थ रखने की साधना की। कार्यक्रम की शुरुआत आंख में अंजन, दांत में मंजन नित कर नित कर नित कर। नाक में उंगली, कान में तिनका मत कर मत कर मत कर के उद्घोष के साथ हुई। पुराने साधक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि रविवार को संजीव पार्क रोड पर 2के रन के कारण सड़क ब्लॉक होने की वजह से शिविर का समापन रविवार के बजाय सोमवार को पार्क में किया जाएगा। शनिवार को लिंगमपल्ली और सौंदर्य पार्क के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने साधकों को सूक्ष्म क्रिया, सूर्य नमस्कार, घटात्मक नौकासन, सिंह गर्जनासन, लुढ़कना, सर्प आसन, सुलभ आसन, नितंब रोलिंग आसन, शवासन, अग्निसार प्राणायाम, कपालभाती और ध्यान का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक साधना का संदेश देते हुए कविता के माध्यम से कहा गया:

जब इंसान को चमन के फूल की तरह रखा जाएगा ˉ यानी सबके साथ बराबरी, प्यार और सम्मान से ˉ तब ही दुनिया में सच्चा एकत्व आएगा।

फूल में ना जाति होती है, ना रंग का भेद। सब चमन की शोभा बढ़ाते हैं। वैसे ही जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, तो भेद मिट जाएंगे।

रंग–बिरंगे फूल चमन में प्यार से मिलकर रहते हैं, लगते हैं मनभावन कितने जब ये साथ महकते हैं। भांति भांति के फूल इकट्ठे एक जगह जब हो जाते, गुलदस्ते का रूप यह बनते, अभिनंदन के काम आते।

डाली पर हो या जमीन पर फूल सदा मुस्कुराते हैं, तोड़ने वाले हाथों को भी खुशबू से महकाते हैं।

इस राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक साधना के संदेश के साथ वैदिक प्रार्थना द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

राधे–राधे ग्रुप की सेवा भावना बना रही है समाज को एक परिवार : कनक अग्रवाल

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और आत्मीयता के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवा भावी सदस्यों ने उपस्थित होकर जरूरतमंदों की सेवा में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर सुश्री कनक अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं बल्कि एक परिवार है, जहां सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के प्रेम, सहयोग और अपनत्व की भावना के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब सेवा कार्य परिवार की भावना से किए जाते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगता है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां लोग एक–दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, वहीं राधे–राधे ग्रुप लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। यहां हर सदस्य अपनेपन के साथ सेवा करता है और यही इस समूह की सबसे बड़ी पहचान है। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है और इसी उद्देश्य के साथ ग्रुप लगातार सेवा कार्यों में सक्रिय है। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लिया तथा समाजहित में निरंतर इसी प्रकार कार्य करते रहने का संकल्प लिया। पूरे वातावरण में सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना देखने को मिली।

आज के कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, कनक अग्रवाल, सान्वी अग्रवाल, प्राशी अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल एवं श्री श्रीमाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बिहार के गया जिले में मिला अति दुर्लभ पाल कालीन पंचायतन शिवलिंग, चितौखर गांव में धार्मिक उत्साह

पटना, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार प्रदेश के गया जिले के टिकारी प्रखंड के चितौखर गांव (चित्तौखर) में एक आहर (तालाब) की उड़ाही के दौरान एक बेहद दुर्लभ एवं अद्भुत मूर्ति प्राप्त हुई है। इसे पाल कालीन अति दुर्लभ पंचायतन शिवलिंगम बताया जा रहा है। इस एक ही पत्थर में शिव, विष्णु, नृत्य गणेश और ईरानी शैली के वस्त्र पहने सूर्य देव की प्रतिमाएं उकेरी गई हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के मूर्ति वैज्ञानिक डॉ. जलज कुमार तिवारी के अनुसार, यह एक 'पंचायतन शिवलिंगम' है जो पाल कालीन हो सकती है। शिवलिंग के चारों तरफ भगवान विष्णु, सूर्य देव, नृत्य मुद्रा में श्री गणेश और चतुर्भुज शिव की आकृतियां बेहद खूबसूरती से उत्कीर्ण हैं।

मूर्ति में सूर्य देव को हार, ईरानी शैली के वस्त्र और जूते पहने हुए दर्शाया गया है। उनके दोनों तरफ सहचर दंड और पिंगल भी बने हैं। भगवान विष्णु के चारों हाथ नीचे की ओर शंख पुरुष और चक्र पुरुष के सिर पर हैं, वहीं दूसरी ओर चतुर्भुज शिव की प्रतिमा उत्कीर्ण है। आहर की सफाई एवं मिट्टी निकासी के दौरान यह प्राचीन शिवलिंग युक्त प्रतिमा मिली। प्रतिमा मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने श्रद्धा भाव से प्रतिमा की पूजा–अर्चना शुरू कर दी और फूल, बेलपत्र एवं अन्य पूजा सामग्री अर्पित की। ग्रामीणों के अनुसार, प्रतिमा को मिट्टी से बाहर निकालते समय उस पर तीन सांप लिपटे हुए थे, जो बाद में भीड़ देखकर चले गए।सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने प्रतिमा के चित्र पुरातत्वविद सुजीत झा को भेजे। सुजीत झा ने बताया कि प्रतिमा के एक ओर भगवान विष्णु, दूसरी ओर भगवान सूर्य की आकृति अंकित है। सूर्य देव की प्रतिमा के दोनों ओर कमल का फूल है और एक हाथ में पद्म है। अन्य दो ओर भगवान गणेश तथा एक देवी की आकृति बनी है। उन्होंने कहा कि सूर्य देव की इसी प्रकार की आकृति मां तारा नगरी केसपा ग्राम में भी स्थापित है, जिससे इस प्रतिमा की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता और बढ़ जाती है।

उज्जैन पहुंचे रेमो डिसूजा, अंकिता और विक्की जैन

महाकालेश्वर की शयन आरती में शामिल होकर लिया दर्शन

उज्जैन, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बॉलीवुड के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे एवं अभिनेता विक्की जैन उज्जैन पहुंचे।

यहां उन्होंने अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक देवाधिदेव महादेव के तृतीय ज्योतिर्लिंग भगवान श्रीमहाकालेश्वर जी की शयन आरती में शामिल होकर दर्शन लाभ लिया। मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने माया नगरी मुंबई से अवंतिका नगरी पहुंचे इन कलाकारों को बाबा महाकाल के दर्शन–वंदन के बाद विधिवत आशीर्वाद प्रदान किया और सत्कार भी किया। डॉ. दिनेश गुरुजी ने बताया कि शास्त्रोक्त प्रमाण के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किसी भी तीर्थ स्थान पर दैवीय दर्शन का बड़ा महत्व है। ऐसे में सर्व शक्तिशाली ज्योतिर्लिंग बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान की शयन आरती में शामिल होकर इन कलाकारों ने बेहद सुकून और प्रसन्नता के साथ कृपामय प्रार्थना की तथा अलौकिक ऊर्जा प्राप्त की। इस दौरान संदीप पुजारी व नवनीत गुरु भी मौजूद रहे।

जैन समाज की सराहनीय पहल : 'सुखी दांपत्य, सशक्त समाज' अभियान के तहत बैठक आयोजित

बेंगलूरु, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु के तत्वावधान में कुरुबरहल्ली स्थित एक होटल में 'सुखी दांपत्य, सशक्त समाज' अभियान के अंतर्गत एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक संघ के अध्यक्ष ललित मांडोत के मार्गदर्शन और क्षेत्रीय प्रभारी कैलाश दक के नेतृत्व में हुई। कार्यक्रम की शुरुआत सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा सामूहिक नवकार महामंत्र के मंगल उच्चारण के साथ की गई। क्षेत्रीय प्रभारी कैलाश दक ने सभी अतिथियों और समाजजनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ललित मांडोत ने 'सुखी दांपत्य, सशक्त समाज' अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मजबूत पारिवारिक मूल्यों को समाज की असली ताकत बताते हुए वार्ड के सभी सदस्यों से आगामी कार्यक्रमों में पूरे परिवार के साथ सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

इस दौरान संगठन मंत्री प्रवीण दक ने वार्ड के सभी उपस्थित सदस्यों का विधिवत पंजीकरण किया। बैठक के समापन पर सदस्यों ने पुरजोर अपील की कि इस तरह की प्रेरणादायक बैठकें सभी वार्डों में आयोजित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक समाजजन इसमें शामिल हो सकें और अभियान को ऐतिहासिक सफलता मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सह–प्रभारी शांतिलाल कटारिया ने सभी सदस्यों द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों और समय प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। यह बैठक जैन समाज में सुखी वैवाहिक जीवन और सशक्त सामाजिक संरचना की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखी जा रही है।

सूर्य स्वरूपा गायत्री

माता गायत्री की उपासना मां सरस्वती, पार्वती, दुर्गा, लक्ष्मी और काली आदि स्वरूपों में की जाती है। प्रत्येक स्वरूप में वे हमें कोई न कोई प्रेरणा प्रदान करती हैं।

वेदमाता गायत्री सूर्य स्वरूपा कही गई हैं। सूर्य ऐसा, जो बाच् ही नहीं, अंतस को भी आलोकित कर देता है।

दूसरे शब्दों में मां गायत्री परमात्मा का ऐसा प्रतीक हैं, जिनकी उपासना से मन में सद्बुद्धि या विवेक को जन्म दिया जा सकता है। यदि मनुष्य यह अनुभूत करने लगे कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, तो सृष्टि का कौन पदार्थ उसके लिए दुर्लभ हो सकता है। इसी कारण गायत्री को 'कामधेनु' या 'कल्पवृक्ष' भी कहा गया है।

ज्ञान की आदि श्रोत होने के कारण ही वे वेदमाता कही गई हैं। उनका कमंडल पवित्रता और माला साधना का प्रतीक है। आदि शक्ति मां गायत्री की विविध स्वरूपों में आराधना की जाती है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

मां सरस्वती- विद्या और कला की प्रतीक मां सरस्वती को बहमा की पत्नी माना गया है। साथ ही वे संस्कृति की प्रतीक कही जाती हैं। उनके हाथों में वीणा कला से प्राप्त होने वाले असीम आनंद का प्रतीक है।

मां पार्वती : भगवान शिव की अर्द्धांगिनी पार्वती उस तपश्चर्या की प्रतीक हैं, जिसके माध्यम से शिव अर्थात परमात्मा का प्रतीकात्मक सान्निध्य प्राप्त किया जा सकता है।

मां दुर्गा : आसुरी प्रवृत्तियों के उन्मूलन के लिए विभिन्न देवताओं की शक्तियों के संगम से जन्मी दुर्गा संगठन शक्ति की सुंदर प्रतीक हैं।

मां लक्ष्मी : आदिशक्ति गायत्री का लक्ष्मी स्वरूप परमात्मा के वैभवमय स्वरूप का प्रतीक है। यह स्वरूप देवताओं एवं दैत्यों दोनों को प्राप्त हो सकता है, शर्त मात्र समुद्र मंथन जैसा कठोर श्रम करने की है।

मां काली : अत्याचार की हर सीमा लांघ जाने के बाद सृजनकारी मां रौद्र रूप धारण कर काली का स्वरूप धारण कर लेती हैं और अन्याय के कटे सिर उनके गले की शोभा बनते हैं। वे अन्याय से संघर्ष करने की प्रेरणा देती हैं। (साभार : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार)

जीवन में संतुलन लाना है श्रीकृष्ण होना

कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफलिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है।

कृष्ण जीवन की भावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने म।

कृष्ण जीवन की संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना हमारे जीवन में संतुलन लाना है। कृष्ण का विराट स्वरूप कहता है कि हमारे भीतर भी विराट क्षमताएं हैं, उसी को समझकर उनका सदुपयोग करने में ही जन्माष्टमी की सार्थकता सिद्ध होगी। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर का चिंतन। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। अष्टमी का आधा चांद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सत्य के प्रकट और अप्रकट पहलुओं के बीच एक पूर्ण संतुलन का द्योतक है, दिखने वाले भौतिक जगत और न दिखने वाले आध्यात्मिक जगत के बीच में। आध्यात्मिक और भौतिक दोनों जगत में श्रीकृष्ण पारंगत थे। अष्टमी पर उनके जन्म होने का यही प्रतीक है। कृष्ण का ज्ञान हमारे समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि न ही वह भौतिक सुखों को बटोरने में आपको खोने देता है और न ही आपको सब कुछ त्यागने देता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाने का अर्थ है कि अत्यंत विपरीत, लेकिन संगत गुणों को आत्मसात करना और अपने जीवन में उन्हें प्रकट करना।

कृष्ण का अर्थ है हमारा सबसे आकर्षक अस्तित्व या आत्मा। राधे-श्याम अनंत का प्रतिनिधित्व करता है। राधे व्यक्तिगत जीवन और श्याम अनंत जीवन हैं। कृष्ण हर जीव की आत्मा हैं और जब व्यक्तित्व में हमारे सच्चिदानंद स्वरूप की चमक दिखने लगती है, तब स्वत: ही जीवन का संपूर्ण संवर्धन होने लगता है। कहा जाता है कि कृष्ण मक्खन चोरी करते थे। इस रूपक का क्या अभिप्राय है। मक्खन एक प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद है। पहले दूध को दही बनाया जाता है और फिर अच्छी तरह से मथकर ही वह दही मक्खन बन जाता है। दूध या दही की तरह जीवन का भी मंथन बहुत सारी घटनाओं, परिस्थितियों और उतार-चढाव द्वारा होता है। अंत में मक्खन बाहर निकलता है। वही आपका संतत्व है। इसका सार यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। आनंदित और केंद्रित रहना चाहिए। जब सब कुछ जीवन में ठीक है, तब एक बडी मुस्कान रखना आसान है, परंतु यदि आप प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कुरा सकते हैं, तब समझिए कि आपने जीवन में सच में कुछ पाया है।

कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा कुछ ऐसी ही है। उनका एक पांव पृथ्वी पर मजबूती से जमा हुआ है और दूसरा उठा हुआ है, परंतु संतुलित है। ऐसे ही नृत्य हो सकता है। यह पूर्णत: संतुलित जीवन जीने के सही तरीके को दर्शाता है। जब आप मन में खोये हों तो नृत्य संभव नहीं हो पाता है। साक्षी भाव से मन की अशांति को देखने से ही हम उससे ऊपर उठ सकते हैं। यानी जब भी आप अशांत हों, तो यह सोचने के बजाय कि ऐसा नहीं होना चाहिए था, आप बस समर्पण कर दीजिए।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'ऐसा क्यों है कि इतने सारे लोग मेरे बारे में जानने में सक्षम नहीं हैं। इसका कारण यह है कि वे हमेशा अपने राग और द्वेष के बीच फंसे हुए हैं।' जो व्यक्ति तीव्रता से किसी के लिए राग रखता है या किसी के लिए बहुत ज्यादा द्वेष रखता है, वह मोह के मायाजाल में फंस जाता है। इस तरह के व्यक्ति को जब जीवन में कोई समस्या आती है, तो उसका मन पूरी तरह से समस्या को सुलझाने में उलझ जाता है और वह अपना बहुमूल्य समय चिंता में खो देता है। इसके लिए, भगवान कृष्ण कहते हैं, 'जिनके पुण्य फलित होते हैं, वे अपने दुख से मुक्त हो जाते हैं और वे मेरी ओर आकर्षित होने लगते हैं। जिनके पाप (बुरे) कर्म अभी शुद्ध नहीं हुए हैं, वे अज्ञान और भ्रम में फंसे रहते हैं।' जब तुम प्रकाश की ओर चलते हो, तो अज्ञान का अंधकार स्वत: ही गायब होना शुरू हो जाता है। लेकिन पाप तुम्हें प्रकाश की ओर बढने नहीं देता। यही दुख, दर्द और पीडा का कारण बनता है। जब व्यक्ति पूरी तरह से यह जान लेता है कि वह शरीर नहीं है, शुद्ध चेतना है, तो उसे भरपूर शक्ति मिल जाती है। परमात्मा में विश्वास ही पर्याप्त है। वास्तव में परमात्मा को जानने का यही मतलब होता है।

कृष्ण सभी संभावनाओं के प्रतीक हैं। कृष्ण होना मानव और दिव्यता के सभी पहलुओं का पूरी तरह से खिलना है। जन्माष्टमी के दिन कृष्ण के उस विराट स्वरूप को अपनी चेतना में एक बार फिर सजीव करने के लिए अपने दैनिक जीवन में अपने सच्चे स्वरूप को प्रकट करना ही कृष्ण के जन्म होने का असली रहस्य है।

एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना

ज्येष्ठ माह में कृष्णपक्ष की एकादशी अचला एकादशी या अपरा एकादशी कही जाती है। इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। यह माना जाता है कि यह सभी तरह के पापों का नाश करती है।

अचला एकादशी के दिन व्रत से जन्म-जन्मांतर के पाप और कलुषों का नाश होता है। माना जाता है कि माघ में सूर्य के मकर राशि में होने पर प्रयाग स्नान, शिवरात्रि पर काशी में रहकर किया गया व्रत, गया में पिंडदान, वृषभ राशि में गोदावरी स्नान, बद्रिकाश्रम में भगवान केदार के दर्शन या सूर्यग्रहण पर कुरुक्षेत्र में स्नान और दान करने से जो फल मिलता है, वही फल अपरा एकादशी के व्रत से प्राप्त होता है।

इस दिन उपवास करके भगवान के वामन अवतार की पूजा करने से मनुष्य को अपने पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तुलसी, चंदन, कपूर, गंगाजल सहित भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है। देश में कहीं-कहीं बलराम-कृष्ण भी पूजा भी होती है। कहते हैं इस एकादशी के फल के बारे में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया था कि अपरा एकादशी पुण्य प्रदाता और बडे पापों का नाश करने वाली है। इस दिन व्रत करने वाला किसी भी तरह के पाप से मुक्त होकर अंतत: विष्णुलोक में प्रतिष्ठा पाता है।

विष्णु पूजन शुभ फलदायी

अपरा एकादशी व्रत के दिन पूजा अर्चना का विशेष विधान रहता है। इस व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि से ही हो जाता है। व्रतधारक को दशमी तिथि से ही भोजन और आचार-विचार में संयम रखना चाहिए। एकादशी के दिन प्रात: जल्दी उठकर अन्य क्त्रियाओं से निवृत्त हो स्नान आदि के पश्चात भगवान विष्णु का पूजन किया जाना चाहिए। संध्या समय में भगवान को फल-फूल का भोग लगाकर धूप दीप से उनका पूजन करना चाहिए। इस व्रत की कथा का श्रवण करने से भी विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है।

इंद्रियों पर नियंत्रण के लिए एकादशी व्रत

शास्त्रों में कहा गया है- आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु। बुद्धिं तु सारथि विद्धि येन श्रेयोऽहमाप्यनुयाम। अर्थात आत्मा को रथी जानो, शरीर को रथ और बुद्धि को सारथी मानो। इनके संतुलित व्यवहार से ही श्रेय अर्थात श्रेष्ठत्व की प्राप्ति होती है।

इसमें इंद्रियों का अश्व तथा मन का लगाम होना भी अंतर्निहित है। ऋषियों ने अन्य मंत्रों में इसका भी जिक्र किया है। इस प्रकार दस इंद्रियों के बाद मन को ग्यारहवीं इंद्रि माना गया है। अतएव इंद्रियों की कुल संख्या एकादश होती है।

एकादशी तिथि को मन:शक्ति का केंद्र चंद्रमा क्षितिज की एकादशवीं कक्षा पर अवस्थित होता है। यदि इस अनुकूल समय में मनोनिग्रह की साधना की जाए तो वह सद्य: फलवती सिद्ध हो सकती है।

इसी वैज्ञानिक आशय से एकादशी पर धर्मानुष्ठान और व्रतोपवास का विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो एकादशी व्रत करने का अर्थ है- अपनी इंद्रियों पर निग्रह करना।

इस दिन व्रत और पूजन की बडी महिमा है। इस एकादशी को धन-धान्य, कीर्ति और पुण्य प्रदान करने वाली माना जाता है। यह माना जाता है कि यह सभी

चार मठ स्थापित कर आदि शंकराचार्य ने फूंके थे सनातन धर्म में प्राण

भारतीय प्राचीन परंपरा में आदिशंकराचार्य को शिव का अवतार माना जाता है। वे वेदांत के अद्वैत मत के प्रणेता थे। उन्होंने हिन्दू धर्म को फिर से प्राणवान बनाने और देश को एकसूत्र में पिरोने का महती कार्य किया।

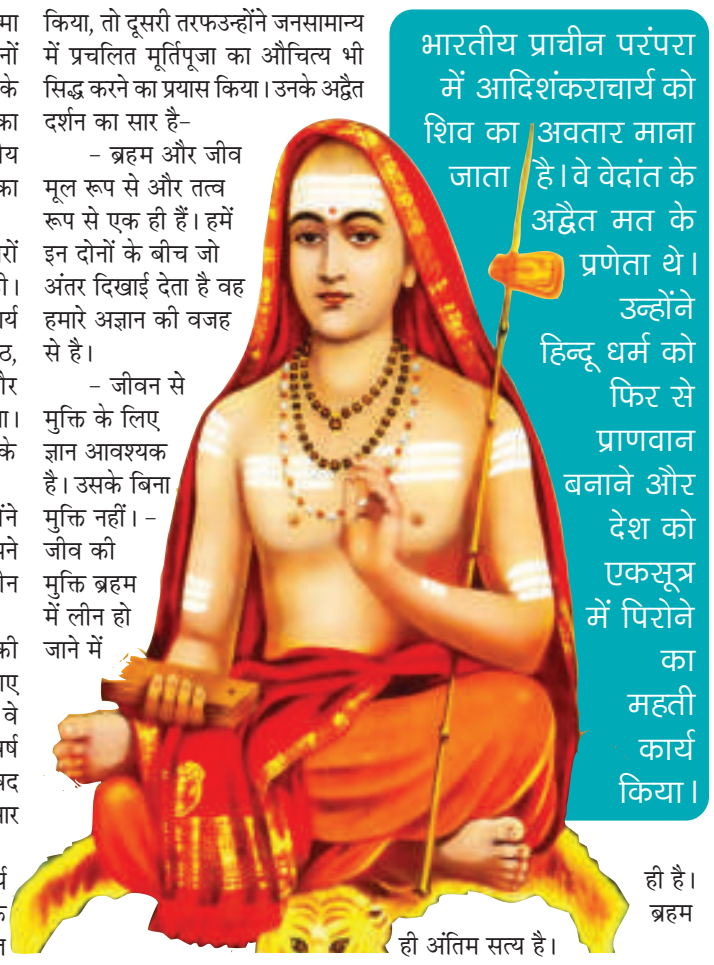

शंकराचार्य कहा कि परमात्मा एक ही समय में सगुण और निर्गुण दोनों ही स्वरूपों में रहता है। उन्होंने वेदों के ज्ञान को पूरे भारतवर्ष में पहुंचाने का काम किया और इस तरह भारतीय संस्कृति के उत्कर्ष में अहम भूमिका निभाई।

आदिशंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में धार्मिक मठों की स्थापना की। उन्होंने दक्षिण के श्रृंगेरी में शंकराचार्य पीठ, जगन्नाथपुरी में गोवर्धनपीठ, पश्चिम द्वारका में शारदामठ और बद्रिकाश्रम में ज्योतिर्पीठ स्थापित किया। ये मठ भारत की एकात्मकता के परिचायक हैं।

इन चारों मठों के लिए उन्होंने शंकराचार्य पद की स्थापना करके अपने चार प्रमुख शिष्यों को यहां आसीन किया।

आदि शंकराचार्य आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए थे, बारह वर्ष की आयु में पहुंचते हुए वे सभी शास्त्रों में पारंगत थे, चौदह वर्ष की उम्र में ब्रहमसूत्र, गीता, उपनिषद पर भाष्य रचकर अल्पायु में उन्होंने संसार त्याग दिया।

अद्वैत मत के प्रवर्तक शंकराचार्य का दृष्टिकोण समन्वयवादी था। एक तरफउन्होंने अद्वैत चिंतन को पुनर्जीवित किया, तो दूसरी तरफउन्होंने जनसामान्य में प्रचलित मूर्तिपूजा का औचित्य भी सिद्ध करने का प्रयास किया। उनके अद्वैत दर्शन का सार है-

- ब्रहम और जीव मूल रूप से और तत्व रूप से एक ही हैं। हमें इन दोनों के बीच जो अंतर दिखाई देता है वह हमारे अज्ञान की वजह से है।

- जीवन से मुक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है। उसके बिना मुक्ति नहीं। - जीव की मुक्ति ब्रहम में लीन हो जाने में ही है। ब्रहम ही अंतिम सत्य है।

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था। व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते हैं।

गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है

हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के संबंध को अत्यंत पावन और गौरवपूर्ण माना गया है। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु साक्षात परब्रहम का स्वरूप है। इसलिए हमें ईश्वर से पूर्व गुरु की वंदना करनी चाहिए। जीवन में प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। गुरु वही है जिसे देखकर मन प्रणाम करे, जिनके समीप बैठने से हमारे दुगरुण दूर होते हैं।

गुरु वह ऊर्जावान और ज्ञान का पुंज है जो हमारे भीतर आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करके सत्य से हमारा साक्षात्कार कराता है। गुरु के सानिध्य से जीवन की दिशा और दशा, दोनों बदल जाती है। उदाहरणस्वरूप अपनी विलक्षण प्रतिभा और ओजस्वी वाणी के द्वारा भारत की संस्कृति का परचम संपूर्ण विश्व में लहराने वाले स्वामी विवेकानंद को जब गुरु रामकृष्ण परमहंस का वरदहस्त प्राप्त हुआ तब वह नरेंद्रनाथ से स्वामी विवेकानंद के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी प्रकार गुरु द्रोणाचार्य की शिक्षा, प्रेरणा और आशीर्वाद ने अजरुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के रूप में प्रतिष्ठित किया।1वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का निरंतर हास होता जा रहा है। गुरु शिष्य के पवित्र संबंधों पर भी इसका प्रभाव दिखाई पड रहा है। समाज में आवश्यकता है, ऐसे गुरुओं की जो दया, क्षमा, सदाचार इत्यादि मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए धैर्य, विवेक और त्याग आदि सद्गुणों के माध्यम से शिष्य को अंधकार से निकाल कर प्रकाश की ओर ले चलें। इस प्रकार मानव मन में व्याप्त विष रूपी बुराई को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान होता है, परंतु सद्गुरु बडे भाग्य से मिलता है। सद्गुरु की तलाश शिष्य को ही नहींहोती, बल्कि गुरु भी अपने ज्ञान की धरोहर को सुरक्षित हाथों में सौंप कर परमानंद की अनुभूति करता है। शिष्य के समर्पण और श्रद्धा भाव को देखकर उसका अंतर्मन आश्वस्त हो जाता है।

वह शिष्य की कमियों को धैर्यपूर्वक सुधारते हुए उसे दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। सौभाग्यवश ऐसे स्वयंसिद्ध गुरु का संरक्षण यदि किसी को भी प्राप्त हो जाए, तो उसके जीवन में संकट रूपी बादलों के छाने के बावजूद उसका मन कभी विचलित नहींहोता। कल्याण के मार्ग में प्रवृत्त करने वाले ऐसे गुरुजनों को शत-शत नमन।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास

वास्तु जिंदगी पर कैसे प्रभाव डालता है। इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

- पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है। यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें।
- शयनकक्ष में बैड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें।
- घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैऋत्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैऋत्य कोण में लगाएं।
- घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।
- स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें। यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।

कांगू वर्कआउट से जुड़ी बातों को जानें

क्या आप जानते है कि कांगू जम्प आपके शरीर को कई तरह के आराम पंहुचाता है। एक्सरसाइज शरीर के लिए जरूरी होती है पर कई बार बोरिंग लगती है। लेकिन कांगू जम्प के साथ आपको ऐसी शिकायत नहीं रहेगी। नाचते भागते करने वाली ये एक्सरसाइज आपके शरीर पर ज्यादा दबाव नहीं डालते हुए आसानी से आपको स्वस्थ रखती है।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होती हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका: जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली: जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन: टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

भरपूर ऊर्जा से जिएं जिंदगी...

छोटी-छोटी बातें आपकी जिंदगी में खुशियां ला सकती हैं आप ऐसी ही बातों का खयाल रखें और सुकूनभरी जिंदगी का स्वागत करें। आप जिंदगी को भरपूर ऊर्जा के साथ जिएं। कुछ चीजें जो आपके नियंत्रण में न हों उन्हें होने दें। उसके लिए व्यर्थ ही परेशान न हों।

जैसे मौसम का प्रभाव, बस का देर से आना, लोगों का व्यवहार और ट्रैफिक की लंबी की कतार। कई लोग ऐसी परिस्थितियों में नियंत्रण खो देते हैं और तनाव में आ जाते हैं। इस तरह से जीने का आखिर मतलब क्या है? अपने जीवन में उर्जा को बनाए रखें और जीवन में आने वाले सकरात्मक बदलावों को महसूस कीजिए।

आशावादी नजरिया अपनाएं

दुनिया के बारे में एक आशावादी नजरिया अपनाए जाने की जरूरत है। अक्सर होता ये है कि हमारा पूरा फोकस समस्याओं पर ही होता है। इस तरह की सोच कभी भी अच्छी नहीं कही जा सकती है।

आप आज से ही पॉजिटिव सोचना शुरू कर दें और देखें कि बाहरी दुनिया कितनी खूबसूरत है। सोचें एक सुबह जो हर रोज नई शुरुआत का मौका देती है, एक दोपहर जो आपको आगे बढने को प्रेरित करती है। एक शाम जो दुनिया की सुंदरता से परिचित करती है। रात जब आती है तो सोचने-विचारने का मौका देती है एक नये दिन की शुरुआत के लिए आराम भी। आपके इस जीवन में सौंदर्य, प्रेम, दया, सबकुछ है. लेकिन नकारात्मक सोच के कारण आप इस ओर नहीं देख पाते हैं। एक बार सकारात्मक नजरिया अपनाकर देखें, आप पाएंगे कि अचानक कुछ अच्छा लगने लगा है। बस जीवन में आने वाली खुशियों का इंतजार करें। आपको अपनी किस्मत अच्छी लगने लगेगी।

गुस्सा करना छोड़ें

एक बार गौतम बुद्ध ने कहा था कि किसी पर गुस्सा करना उस पर गर्म कोयले से प्रहार करने जैसा है जिससे कि तुम भी जलोगे। इसलिए आप दूसरों पर गुस्सा करना करना छोड़ दें। इसका प्रभाव दूसरे से ज्यादा आप पर पड़ेगा। अगर आप दूसरों की गलतियों को माफ करना सीख जाते हैं तो आप पाएंगे की कि दुनिया में बहुत से सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। यह स्थिति यथार्थ से भागने की नहीं बल्कि उसके और ज्यादा करीब जाने की है। अपने जीवन को जंग मत बनाइए। आपकी ही तरह आपके करीबियों को भी आपके प्रेम, और सम्मान की जरूरत है।

जड़ता को छोड़ें

डेविड कैम्पबेल ने एक बार कहा था तुम जो करना चाहते हो, उसको बार-बार याद करना ही अनुशासन है। अपने जीवन में कुछ सपने मूल्य और नजरिया विकसित कर लेना चाहिए। दृढ इच्छा शक्ति के दम पर ही जीवन में खुशियों को पाया जा सकता है। ऐसा तो नहीं कि आप एक अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं जिसका कोई उद्देश्य नहीं। आपको सोचने की फुर्सत ही नहीं बस दौड़े जा रहे हैं। इस जड़ता को छोड़ दीजिए। ठहरकर सोचें और फिर उद्देश्य और सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढें।

खुद फैसले लेना सीखें

कहीं आप अपने फैसले लेने में हिचकिचाते तो नहीं हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई आपके फैसलों के बारे में क्या सोचता है। आप खुद को दूसरों से बेहतर जानते हैं, इसलिए ये आपको ही डिसाइड करना है कि आपको अपने जीवन और खुशियों को बनाए रखने के लिए क्या करना है। यह जान लें कि आपको समझे और जाने बिना कोई भी व्यक्ति आपको सही तरीके से गाइड नहीं कर सकता है। कोई भी व्यक्ति आपको पूरी तरह से नहीं समझ सकता है। इसलिए आप दूसरों पर निर्भर रहना छोड़ दें। आपको लगेगा आप सही मायने में जीवन जी रहे हैं। ऐसा करने पर आपको महसूस होगा कि आप खुद में संपूर्ण हैं और दुनिया में किसी से भी ज्यादा खूबसूरती से जी रहे हैं।

रेसिपी

नींबू का खट्टा- मीठा अचार

सामग्री

आधा किलो नींबू, आधा किलो शक्कर, 1 से 2 छोटी चम्मच काला नमक, एक छोटी चम्मच बड़ी इलाइची पाउडर, 6 से 8 पिसी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच लाल मिर्च, 4 से 5 चम्मच नमक

विधि

एक-एक नींबू को 4 टुकड़ों में काटकर उसमें नमक डालकर नर्म होने के लिए 25 दिन से 30 दिन के लिए एक जार में रख दें बीच-बीच में नींबू को चलाते और देखते रहें। जब नींबू नर्म हो जाए तो नींबू में शक्कर, काला नमक, काली मिर्च, लाल मिर्च और बड़ी इलाइची का पाउडर मिलाकर 3 से 4 दिन के लिए धूप में रख दें। हर दिन साफ और सूखे चम्मच से अचार को जरूर चलाएं। एक सप्ताह में नींबू का मीठा अचार अच्छे से बन जाएगा। ध्यान रखें अचार को हमेशा साफ और सूखे चम्मच से ही लें।

ब्रेड भटूरे

साम्रगी

मैदा दो कप, सूजी एक स्पून, ब्रेड स्लाइस आठ, नमक स्वादानुसार, दही तीन स्पून, जीरा आधा टी स्पून, तेल अवयस्कता अनुसार

विधि

सबसे पहले आप ब्रेड की स्लाइस के चारों किनारों के ब्राउन कलर के पार्ट को हटा दीजिए और ब्रेड स्लाइस के सफेद भाग को मिक्सी से पीस लीजिए। अब ब्रेड पाउडर को एक बाउल में डाले और उसमे मैदा, जीरा, सूजी, नमक, दही डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा गूंथ लें और गुंथे हुए आटे को ढ़क्कर थोड़ी देर साइड पर रख दीजिए। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए। अब आटे से लोई तोड़ कर छोटी-छोटी लोई बनाईए। अब आटे की लोई लेकर रोटी की तरह भटूरा बेल कर गरम तेल में डालें। धीमी आंच पर भटूरे को दोनों तरफ से तलकर प्लेट में निकाल कर अलग रख लीजिए। उसके बाद हरी धनिया, प्याज, अदरक, हरी मिर्च और नींबू के स्लाइस से सजाकर परोसें।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण करीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं। पत्थर पर उकेरे गए जीवन के

विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

खतरनाक चींटियां

चींटियों का खलिहानों या अनाज घरों पर हमला एक ही दिन में कई किलो अनाज को चौपट कर देता है। कोमारा द्वीप की चींटियां भी बड़ी ख़तरनाक होती हैं। ये जब अपने विशाल समूह में होती हैं, तो वृक्षों तक को चट कर जाती हैं। यहां रहने वाले आदिवासी चींटियों के कहर से बचने के लिए बंदर पालते हैं, क्योंकि बंदर इन चींटियों को बड़े चाव से खाते हैं।

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी विक्टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

>> एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।

>> 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।

>> फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।

>> डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।

>> साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।

>> ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।

>> पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।

>> 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।

>> ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।

>> स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।

>> राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है। तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है। माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अक्तूबर के महीनों के दौरान की गईं। 25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा

फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

स्किन का रंग अलग-अलग होता है, क्यों?

स्किन की बाहरी लेयर के नीचे कुछ विशेष सैल्स होते हैं, जो पिगमेंट बनाते हैं, जिसे मैलानिन कहते हैं। इंसान की स्किन का रंग मुख्य रूप से शरीर में पाए जाने वाले तीन पिगमैंट्स या कलरिंग मैटीरियलस पर निर्भर करता है, ये हैं- मैलानिन, कैरोटिन और हीमोग्लोबिन। आपकी स्किन में कितना मैलानिन है, उसी से यह तय होता है कि आपका रंग गोरा होगा या काला। गोरे रंग वालों में मैलानिन कम होता है, जबकि गहरे रंग वालों में मैलानिन अधिक होता है। स्किन की भीतरी लेयर में मौजूद दूसरा पिगमेंट कैरोटीन यह तय करता है कि आपका स्किन टोन कितना पीला होगा।

आपमें पिगमेंट्स कितने हैं, यह उन जींस पर भी निर्भर करता है, जो आपको अपने पेरेंट्स से प्राप्त होते हैं। यदि शरीर में ये तीन पिगमैंट्स न हों, तो हमारी स्किन का रंग क्रीमी व्हाइट होगा। इन पिगमैंट्स की कमी के चलते स्किन पर सफेद दाग बन जाते हैं। इस रोग को 'ल्यूकोडर्मा' के नाम से जाना जाता है।

कैसे जलती है माचिस की तीली

बच्चो, हम कोई चीज जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। माचिस की डिबिया से हम एक तीली निकालते हैं और उसे माचिस की कम चौड़ाई वाली साइड पर रगड़ते हैं। रगड़ने पर तीली जल उठती है। क्या आप जानते हैं कि आखिर माचिस की तीली को आग कैसे लग जाती है? असल में माचिस की खुरदरी सतह फास्फोरस के योगिकों से बनी होती है। फास्फोरस जरा-सी ऊष्मा यानी गर्मी पाते ही चिंगारी देने लगती है। माचिस की तीली के काले सिरे पर पोटाशियम क्लोरेट लगा होता है। पोटाशियम क्लोरेट ज्वलनशील पदार्थ होता है। इसे माचिस की खुरदरी सतह पर रगड़ने से ऊष्मा पैदा होती है। ऊष्मा मिलते ही सतह से चिंगारी निकलती है। इस चिंगारी से तीली के सिरे पर लगा ज्वलनशील पदार्थ जलने लगता है। इस तरह जलती है तीली। अगर तीली को किसी अन्य जगह पर रगड़ा जाए, तो वह नहीं जलती। इसका मुख्य कारण यह है कि उस जगह पर फास्फोरस नहीं लगा होता, फलस्वरूप तीली नहीं जलती।

क्या आप जानते हैं?

- एक कप कॉफी में एक हजार से ज्यादा कैमिकल होते हैं।
- पृथ्वी पर कारों की संख्या पॉपुलेशन ग्रोथ के मुकाबले तीन गुणा तेजी से बढ़ रही है।
- सिर्फ एक फीसदी बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं।
- एक सिगरेट व्यक्ति की जिंदगी के पांच मिनट कम कर देती है।
- अधिकतर गाएं तब अधिक दूध देती हैं, जब वे म्यूजिक सुनती हैं।
- मधुमक्खियों की आंखों पर बाल होते हैं।
- जब हिप्पो अपसैट होता है, तब उसके पसीने का रंग लाल हो जाता है।
- बबलगम में रबड़ होता है।
- स्टारफिश का दिमाग नहीं होता।
- टीवी देखने के मुकाबले हम सोते समय अधिक कैलोरीज़ बर्न करते हैं।
- डायनामाइट में मूंगफली का इस्तेमाल किया जाता है।

>> हम बताएं, आप बनाएं

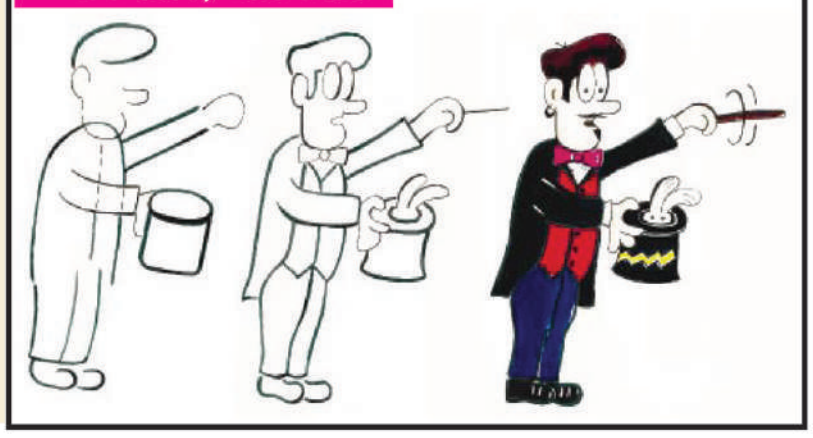

गूगल पर सर्च करते समय आपने इसके 'लोगो' के डिजाइंस को बदलते देखा होगा। इसे डूडल कहते हैं। क्या है यह डूडल, पढ़ें...

गूगल का डूडल

इंटरनैट की दुनिया में गूगल ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है। यह मुकाम उसने अपनी रचनात्मकता के बूते बनाया है। गूगल की रचनात्मकता उसके 'लोगो' से भी झलकती रहती है। आपने गूगल के सर्च इंजन का उपयोग करते समय गूगल का लोगो तो जरूर देखा होगा। कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि गूगल के मूल लोगो के साथ कई प्रयोग किए जाते हैं, जैसे किसी महापुरुष के जन्मदिन, नववर्ष, क्रिसमस या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय दिवस जैसे मदर्स-डे, फादर्स-डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट-डे या वैलेनटाइंस-डे पर। ऐसे समय में बनाए जाने वाले विशेष लोगो को गूगल 'हॉलीडे लोगो' या 'डूडल' कहते है। ये डूडल कुछ खास दिनों के लिए बनाए जाते हैं, जो उस दिन दुनियाभर की कंप्यूटर स्क्रीन पर गूगल के लोगो की जगह दिखाई देते हैं। गूगल की प्रतिभाशाली नौजवानों की टीम के एक सदस्य डेनिस ह्वांग ही गूगल के असली डूडलर हैं। 1978 में अमेरिका के टेनेसी राज्य में पैदा हुए ह्वांग दक्षिण कोरियाई मूल के हैं। वह 2000 से गूगल के साथ जुड़े हुए हैं और ये अनोखे डूडल बना रहे हैं। ह्वांग ने कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रैजुएशन के साथ ही गूगल के साथ इंटर्नशिप भी की, जहां इन्हें वैबसाइट्स बनाने में मदद करने का काम दिया गया था। इंटर्नशिप के बाद वह गूगल इंक. में वैबमास्टर बन गए। वैबमास्टर ह्वांग गूगल के लिए सालभर में तकरीबन 50 डूडल

बनाते हैं। हाल ही में ह्वांग ने गांधीजी को लेकर गूगल का लोगो बनाया था। वह बताते हैं, 'डूडल बनाने से पहले गूगल पर इमेजिस की खोज के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। फिर सारी मेहनत को ऑ ज़र्व करने के बाद ऐसा डिजाइन बनाते हैं, जो लैटर्स के आकार के साथ इंटरैक्ट करे। यह सचमुच बहुत मजेदार होता है।' 14 जुलाई 2000 को ह्वांग ने बेस्टाईल डे (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस) पर पहला डूडल बनाया। यह इतना हिट हुआ कि पेज और ब्रिन ने ह्वांग को ही स्थाई डूडलर नियु त कर दिया। हालांकि गूगल के लिए पहला डूडल तो खुद गूगल के जनक लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने ही बनाया था, जो खुद बहुत ही क्रिएटिव माइंड के हैं। कुछ समय पहले ही गूगल ने विभिन्न देशों के बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई थी, जिसमें डूडलर खोजा जाना था। इसमें गूगल का सर्वश्रेष्ठ डूडल बनाने वाले बच्चे को एक लैपटॉप और उसके स्कूल को कई हजार डॉलर की स्कॉलरशिप मिलनी थी। अमेरिका में यह प्रतियोगिता क्रिस्टीन एनजिलबर्थ ने जीती, जिसे 15 हजार डॉलर की कॉलेज स्कॉलरशिप और एक लैपटॉप मिला। इसके अलावा उसके स्कूल को 25 हजार डॉलर की टै नोलॉजी ग्रांट भी दी गई। अभी कई देशों के विजेता बच्चों की घोषणा की जानी है। इन विजेता बच्चों के देश में एक विशेष दिन गूगल उनके बनाए गए डूडल का प्रदर्शन करेगा, जिसे करोड़ों लोग अपनी कप्यूटर स्क्रीन पर देख पाएंगे।

गुजरात की सफलता में मोहम्मद सिराज व कगिसो रबाडा की अहम भूमिका रही : बांगड़

अहमदाबाद

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि आईपीएल के इस 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस की सफलता में तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा की अहम भूमिका रही है।

ये दोनों गेंदबाज इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में शामिल हैं। बांगड़ ने कहा कि इस तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम की इस सत्र में सफलता की नींव रखी है। उन्होंने बताया कि इनकी अच्छी शुरुआती सफलताओं के कारण ही राशिद खान जैसे स्पिनर को बीच के ओवरों में अधिक आजादी के साथ गेंदबाजी करने का मौका मिला। बांगड़ ने कहा, मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने इस सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए बहुत ही शानदार माहौल तैयार किया है। शुरुआत में लंबे स्पेल डालने से उन्हें लगातार फील्ड या छोर बदलने की जरूरत के बिना लगातार आक्रमण करने का मौका मिला है। शुरुआती विकेट लेने की उनकी काबिलियत ने बाकी गेंदबाजी ईकाई के लिए एक बेहतरीन मंच तैयार किया है। और जब टीम मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना लेती है, तो राशिद जैसे गेंदबाज का सामना करना और भी मुश्किल हो जाता है। कुल मिलाकर यह एक बेहतरीन तरीके से संभाला गया बॉलिंग अटैक रहा है।

बांगड़ ने इसके अलावा बल्लेबाज जोस बटलर की प्रशंसा करते हुए कहा उन्होंने इस सीजन में खूब रन बनाए हैं और अपनी बल्लेबाजी में एक अलग ही स्तर का दबदबा और आक्रामकता दिखाई है। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच को ही लें उनके स्ट्राइक रेट ने पारी का रुख पूरी तरह से बदल दिया और गुजरता को एक ऐसा स्कोर बनाने में मदद की जिसे हासिल करना सीएसके के लिए असंभव हो गया। साथ ही कहा कि अब इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन का लाभ टीम को प्लेऑफ में मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

टी20 महिला विश्व कप में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम : मंधाना

बेंगलुरु। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियां में लगी है। भारतीय टीम का लक्ष्य एकदिवसीय के बाद टी20 खिताब भी अपने नाम करना है और टीम इसको लेकर प्रयास भी कर रही है। टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने का कहना है कि टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार है। उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत हासिल करने में कोई कसर नहीं रखेगी। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैच से करेगी। मंधाना टीम की तैयारियों से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, हमारा अभ्यास शिविर बहुत अच्छा रहा। मैं अभी इस बारे में इतना ही बताना चाहती हूं। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ी अच्छी स्थिति में दिख रही हैं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से अभ्यास किया है और सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। टीम में एक सकारात्मक ऊर्जा है और हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है। भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में एक गहन अभ्यास शिविर में हिस्सा लिया। इस शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को आगामी चुनौतियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना था, जिसमें फिटनेस, फील्डिंग और विभिन्न मैच परिदृश्यों पर काम किया गया। टीम 22 मई को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की महत्वपूर्ण टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलने के लिए रवाना होगी। इससे टीम को टूर्नामेंट के लिए लय हासिल करने में सहायता मिलेगी मंधाना ने जोर देकर कहा कि टीम अपनी तैयारियों को लेकर आश्वस्त है और उसका एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना है।

सचिन से तुलना कर अनावश्यक वैभव पर दबाव न बनायें : दिनेश कार्तिक

मुम्बई। 15 के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में राजस्थान रायल्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। ऐसे में कहा जाने लगा है कि वैभव भविष्य में दूसरे सचिन तेंदुलकर बनेंगे जिसे पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक सही नहीं मानने। कार्तिक का कहना है कि इस प्रकार से किसी भी उभरते हुए खिलाड़ी पर दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये। कार्तिक ने जोर देकर कहा है कि वैभव को अपने रास्ते पर चलने देना चाहिए और उन पर अनावश्यक तुलना का बोझ नहीं डालना चाहिए, क्योंकि इससे उनके करियर में बाधाएं आ सकती हैं। गौरतलब है कि पिछले साल आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही वैभव की चर्चा हर तरफ है। इस क्रिकेटर ने केवल 15 साल की उम्र में विश्व के दिग्गज गेंदबाजों पर भी बड़े शाट लगाकर दिखा दिया कि वह किसी मामले में पीछे नहीं है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में वह लगातार आरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं और सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। बाएं हाथ के इस ओपनर ने 13 मैचों में 579 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 236.32 का रहा है, जिससे वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। वहीं कार्तिक अभी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच और मेंटर हैं, ने इस तुलना पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, जो वैभव कर रहा है, वह बहुत खास है, लेकिन मैं नहीं चाहता कि लोग उसे अगला सचिन कहें क्योंकि वह सिर्फ 15 साल का है। उसे वही करने दो जो वह कर रहा है। मुझे लगता है कि सचिन ने जो किया वह असाधारण था और उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। कार्तिक ने यह भी स्पष्ट किया कि वैभव को अपने करियर में सचिन से बिल्कुल अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, सचिन की चुनौतियां मैदान के अंदर जितनी थीं, उतनी ही मैदान के बाहर भी थीं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई। देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं है कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं है बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिये। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी। मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है। अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए।

पंजाब किंग्स ने लखनऊ को धोया, 15 अंक के साथ अब भी प्लेऑफ की रेस में है जिंदा

लखनऊ: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 68वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार यानी 23 मई को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच पंजाब किंग्स ने 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स ने 197 रन का टारगेट 18 ओवर में चेज कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स के 15 अंक हो गए हैं और वे इस वक्त चौथे पायदान पर हैं।

अगर राजस्थान रॉयल्स मुंबई इंडियंस से 24 मई को हार जाती है तो पंजाब किंग्स प्लेऑफ में आ सकती है। फिर सब कुछ कोलकाता नाइटराइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच पर निर्भर करेगा। अगर केकेआर दिल्ली को हराती है तो उनके भी 15 अंक हो जाएंगे। फिर अंत में दोनों में से जिस टीम की नेट रन रेट बेहतर होगी वो प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेगी। इस वक्त पंजाब की नेट रन रेट केकेआर से बेहतर है। बता दें कि पंजाब की इस जीत से दिल्ली कैपिटल्स अधिकारिक तौर पर बाहर हो गई है।

श्रेयस अय्यर ने ठोका शतक

पंजाब किंग्स के लिए इस रनचेज में उनके कप्तान श्रेयस अय्यर ने मैच विनिंग पारी खेली। उन्होंने दमदार शतक ठोका। अय्यर 51 गेंद में 198.04 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 101 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 5 छक्के उड़ाए।

अय्यर के अलावा ओपनर प्रभसिमरन सिंह 39 बॉल में 69 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 2 छक्के उड़ाए। प्रियांश आर्य गोल्डन डक पर आउट हो गए थे। कूपर कोनोली 18 रन बनाकर आउट हुए थे। लखनऊ के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए। 1 विकेट अर्जुन तेंदुलकर को भी मिला।

कुछ ऐसी रही थी लखनऊ की पारी

एलएसजी के लिए पारी की शुरुआत जोश इंग्लिस और अर्शिन कुलकर्णी ने की। अर्शिन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद निकोलस पूरन भी सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए। जोश इंग्लिश ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी जारी रखी। इंग्लिश ने 44 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 72 रन की पारी खेली।

इंग्लिस ने तीसरे विकेट के लिए आयुष बडोनी (43) के साथ 49 और ऋषभ पंत 26 के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। बडोनी ने 18 गेंदों पर 3 छक्के और 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाए।

अब्दुल समद ने 20 गेंदों पर 3 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 37 रन बनाकर लखनऊ की पारी को 6 विकेट पर 196 रन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। सीजन का पहला मैच खेल रहे अर्जुन तेंदुलकर 5 गेंदों पर 5 रन बनाकर नाबाद रहे।

पंजाब किंग्स की तरफ मार्को जानसेन ने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 और युजवेंद्र चहल ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। शशांक सिंह ने 3 ओवर में 29 रन देकर 1 विकेट लिया। अर्शदीप सिंह महंगे रहे। 3 ओवर में 52 रन लुटाने के बावजूद उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

सुपर चेस क्लासिक : आर. प्रज्ञानानंद का मुकाबला ड्रा खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

बुखारेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने जीत के कई मौके गंवाए और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लग्रेव के खिलाफ शुक्रवार को मुकाबला ड्रा खेला। इसके साथ ही सुपर चेस क्लासिक टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ अंतिम दौर से पहले बेहद रोमांचक हो गई है।

नौवें और अंतिम से पहले राउंड में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विन्सेंट कीमर के बीच मुकाबला ड्रा रहा। वहीं उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए नीदरलैंड्स के जार्डन वान फारेस्ट को हराया।

डच खिलाड़ियों के लिए यह दिन निराशाजनक रहा, क्योंकि अनिश गिरी को रोमानिया के बोगदान-डेनियल डियाक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं अमेरिका के वेस्ले सो को फ्रांस के अलीरेज़ा फिरूजा के टूर्नामेंट से हटने के कारण वाकओवर मिला।

अब अंतिम राउंड से पहले कारुआना और कीमर पांच-पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ले सो और जार्डन वान फारेस्ट साढ़े चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा, गिरी और वाचियर-लग्रेव चार-चार अंकों के साथ संयुक्त छठे स्थान पर मौजूद हैं। प्रज्ञानानंद ने ग्रुनफेल्ड डिफेंस ओपनिंग में सफेद मोहरों से खेलते हुए सातवीं चाल पर नया प्रयोग किया, जो शीर्ष स्तर पर पहले कभी नहीं देखा गया था। शुरुआती मिडिल गेम में भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में थे और लग रहा था कि मुकाबला जल्द उनके पक्ष में समाप्त हो जाएगा। हालांकि कुछ गलतियों के कारण मुकाबला क्वीन और प्यादों के एंडगेम तक पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद के पास अतिरिक्त प्यादा था। समय के दबाव के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष जारी रखा। टूर्नामेंट का सबसे लंबा मुकाबला आखिरकार 139 चालों के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर, सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंडगेम में अपने नाइट और रूख की मदद से बेहतरीन मात का जाल बिछाकर जीत दर्ज की।

टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3 लाख 75 हजार अमेरिकी डालर है, जिसमें विजेता को 1 लाख डालर मिलेंगे। यदि शीर्ष पर बराबरी रहती है, तो विजेता तय करने के लिए टाईब्रेक मुकाबले खेले जाएंगे।

हबीब मोहसिन के जन्मदिन पर उमड़ा फिल्मी सितारों और राजनेताओं का हुजूम

हैदराबाद। आधुनिक युग में विरले ही देखने को मिलने वाले एक भव्य उत्सव के साथ, बीते कल यानी 22 तारीख को बारकस स्थित आवास पर हबीब मोहसिन का जन्मदिन बेहद धूमधाम से मनाया गया। इस भव्य आयोजन में राजनेताओं, टॉलीवुड (तेलुगु सिनेमा) की मशहूर हस्तियों और प्रमुख सामाजिक नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे यह इस क्षेत्र की सबसे चर्चित सामाजिक सभाओं में से एक बन गया।

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित मेहमानों ने हबीब मोहसिन को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देने के लिए इस समारोह में शिरकत की। शाम का माहौल संगीत, जादुई शो, बच्चों के स्वागत प्रदर्शनों और विभिन्न सांस्कृतिक मनोरंजन कार्यक्रमों से सराबोर रहा, जिसने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक अत्यंत आनंदमय वातावरण तैयार किया।

जैसे-जैसे मेहमान बड़ी संख्या में एकत्र होते गए, उनके बीच के आत्मीय संवाद, सांस्कृतिक उत्साह और उत्सव के पलों ने इस महफिल की रौनक में चार चांद लगा दिए। सभी आमंत्रित अतिथियों के लिए एक शानदार और भव्य रात्रिभोज (डिनर) का प्रबंध किया गया था, जिसने इस यादगार अवसर को और भी अधिक गरिमामयी और भव्य बना दिया।

कार्तिक ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया : रैना

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे गेंदबाज कार्तिक त्यागी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। रैना ने कहा कि इस गेंदबाज को पिछली बार किसी ने भी नहीं खरीदा था ऐसे में देखा जाये तो इस बार उसकी वापसी धमाकेदार रही।

उनके मुताबिक, लीग से बाहर रहने के इस समय का इस गेंदबाज ने सही तरीके से उपयोग किया। इस दौरान उन्होंने खेल के मैदान से दूर रहकर अपने शरीर और मन दोनों पर काम किया। उन्होंने अपनी फिटनेस पर गहन काम किया, पुरानी चोटों से उबरने के लिए समर्पित रहे और अपने खेल को फिर से धार दी।

रैना के अनुसार, 2025 की नीलामी में न बिकना उनके लिए एक ब्रेक का अवसर बन गया, जिसने उन्हें अपने शरीर और फार्म को पूरी तरह से बेहतर बनाने में मदद की।

इस सीजन में कार्तिक के प्रदर्शन में आया बदलाव वाकई असाधारण रहा है। उन्होंने 13 मैचों में 18 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में उनके बेहद कम मैचों में खेलने और सीमित सफलता हासिल करने के बिल्कुल उलट है। रैना ने कहा, कार्तिक निश्चित रूप से इस आईपीएल सत्र की वापसी की कहानी हैं। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बहुत मेहनत की है और उसका उन्हें सीधा फायदा मिला है।

रैना ने कहा, 2022 में उन्होंने केवल दो मैच खेले और एक विकेट लिया, 2023 में तीन मैच खेलकर एक विकेट लिया और 2024 में तो वे सिर्फ एक मैच ही खेल पाए थे। 2025 की नीलामी में किसी ने उन्हें नहीं खरीदा। वहीं इस सीजन में, उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 13 मैच खेले हैं और 18 विकेट लिए हैं। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि इस गेंदबाज के लिए आगे भी कई और सफल सीजन आएंगे। रैना का मानना है कि अगर वह अपनी फिटनेस और फार्म को बनाए रखते हैं, तो उन्हें भारत के लिए खेलने से कोई नहीं रोक सकता।

सिख प्रीमियर लीग में बब्बर शेर इलेवन और स्पार्टन्स की धमाकेदार जीत

तेजिंदर सिंह के धुआंधार नाबाद अर्धशतक से विष्णुपुरी इलेवन भी विजयी; मन्नी इलेवन और प्रताप नगर को मिली करारी शिकस्त

इंदौर

विष्णुपुरी के सचखंड मार्ग स्थित गुरु अरजन देव खेल मैदान पर आयोजित चढ़दी कला ट्राफी सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा के पांचवें दिन बब्बर शेर इलेवन, स्पार्टन्स (चढ़तीकला) और विष्णुपुरी इलेवन ने विरोधी टीमों को चारों खाने चित करते हुए शानदार जीत दर्ज की। मैदान पर लग रहे गगनचुंबी छक्कों और विकेटों के पतन पर बजने वाले पारंपरिक ढोल-धमाकों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस खेल उत्सव का आनंद लेने के लिए सिख समाज के बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर अपनी चहेती विजेता टीमों का जमकर उत्साहवर्धन किया।

दिन के पहले मुकाबले में बब्बर शेर इलेवन ने मैदान पर उतरते ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने निर्धारित 8 ओवरों में 6 विकेट खोकर 102 रनों का विशाल और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसमें कपिल सिंह ने बल्ले से अत्यंत उम्दा योगदान दिया। जवाब में रनों के इस भारी दबाव के आगे मन्नी इलेवन की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। मन्नी इलेवन 8 ओवरों में 6 विकेट पर महज 42 रन ही बना सकी और बब्बर शेर इलेवन ने 60 रनों के बड़े अंतर से मैच अपनी झोली में डाल लिया।

तरनप्रीत के तूफान से जीता स्पार्टन्स

दूसरे मैच में स्पार्टन्स (चढ़तीकला) ने सिंह इलेवन प्रताप नगर के खिलाफ 3 विकेट से रोमांचक फतह हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिंह इलेवन प्रताप नगर ने 8 ओवरों में 6 विकेट खोकर 104 रनों का मजबूत स्कोर बनाया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पार्टन्स टीम के लिए स्टार बल्लेबाज तरनप्रीत सिंह संकटमोचक बने। उन्होंने मात्र 15 गेंदों पर 46 रनों की आतिशी पारी खेलकर मैच का पासा पलट दिया। स्पार्टन्स ने दो गेंद और 3 विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

विष्णुपुरी इलेवन की 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत

दिन के एक अन्य मुकाबले में विष्णुपुरी इलेवन ने सिख योद्धा इलेवन को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर मैदान मार लिया। इस एकतरफा जीत के महानायक तेजिंदर सिंह रहे, जिन्होंने महज 20 गेंदों में 52 रनों की नाबाद और विस्फोटक अर्धशतकीय पारी खेलकर विपक्षी टीम को मुकाबले से पूरी तरह बाहर कर दिया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

रोमांचक मैचों के बीच शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने खेल मैदान पर पहुंचकर खिलाड़ियों और आयोजनकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने इस सफल आयोजन की खेल भावना, अनुशासन और सामाजिक एकजुटता की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर अमरजीत सिंह बग्गा, प्रीतपाल सिंह भाटिया, कैलाश पिपले, वकील पठान, जसबीर सिंह गांधी, रवि तोमर, महेश बसवाल, राजेश उदावत, महेश जोशी, रवि जैन, जितेंद्र जैन और काशी सचान उपस्थित थे। अतिथियों का आत्मीय स्वागत हरपाल सिंह भाटिया, चरणजीत सिंह सैनी, हरप्रीत सिंह बक्शी, अमरजीत सिंह भाटिया और सुखजिंदर चहल ने किया।

एलआईसी की रणनीति का दिख रहा असर नान-पार पालिसियों ने बढ़ाया वीएनबी

जबूत चौथी तिमाही के प्रदर्शन के बाद बीमा कंपनी के शेयर में उछाल

नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी पालिसी रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है, जिसके तहत कंपनी अब ज्यादा सम-एश्योर्ड और नान-पार्टिसिपेटिंग (नान-पार) पालिसियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस रणनीतिक बदलाव का सकारात्मक असर मार्च तिमाही के वित्तीय परिणामों में साफ दिखाई दिया है, जहाँ कंपनी के नए बिजनेस के मूल्य (वीएनबी) मार्जिन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने एलआईसी के लिए अपने कमाई के अनुमान और कीमत लक्ष्य बढ़ा दिए हैं, जिससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है और कंपनी के शेयर में भी तेजी देखी गई। एलआईसी के रणनीतिक बदलाव ने मार्च तिमाही में उसके वित्तीय स्वास्थ्य को काफी मजबूती दी है। एमके ग्लोबल के अनुसार, चौथी तिमाही में एलआईसी का वीएनबी मार्जिन 25.7 प्रतिशत रहा, जो उनके 20.5 प्रतिशत के अनुमान से काफी अधिक था। इस मजबूत प्रदर्शन के बाद, ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए वीएनबी मार्जिन अनुमानों को 200-240 आधार अंक तक बढ़ाया है, जिससे इन वर्षों के लिए वीएनबी अनुमानों में 15-16 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। जेएम फाइनैंशियल ने वित्त वर्ष 2026 में मार्जिन में 360 आधार अंक की बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय अनुकूल पालिसी मिश्रण को दिया है। प्रबंधन ने इस बात पर जोर दिया कि नान-पार सेगमेंट एलआईसी का सबसे अधिक लाभदायक व्यवसाय बना हुआ है, जिसने वित्त वर्ष 2026 में कुल वीएनबी में 53 प्रतिशत का योगदान दिया। जेएम फाइनैंशियल का अनुमान है कि व्यक्तिगत नान-पार बिजनेस के लिए मार्जिन 49 प्रतिशत, पार बिजनेस के लिए 12 प्रतिशत और ग्रुप बिजनेस के लिए 11 प्रतिशत रहेगा, जो कंपनी के व्यावसायिक मिश्रण की लाभदायकता को दर्शाता है। हालांकि, इक्विटी बाजारों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट के कारण चौथी तिमाही में एलआईसी की एम्बेडेड वैल्यू (ईवी) में 6.2 प्रतिशत की कमी आई, जो 7.89 लाख करोड़ रुपये रही। यह सालाना आधार पर सिर्फ 1.6 प्रतिशत ज्यादा थी।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने सरकार को 2.87 लाख करोड़ का रिकार्ड अधिशेष हस्तांतरित किया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकार्ड अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया है। यह राशि पिछले साल के 2.69 लाख करोड़ रुपए के लाभांश से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय बैंक ने हालांकि आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को बैलेंस शीट के 7.5 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत तक करने का निर्णय लिया है, पर उच्च जोखिम प्रावधानों के कारण अर्थशास्त्रियों ने इस हस्तांतरण को बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम बताया है। आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने अपनी 623वीं बैठक में यह निर्णय लिया। इस रिकार्ड हस्तांतरण का एक प्रमुख कारण विदेशी मुद्रा भंडार की बिक्री से आरबीआई की आय में वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 में आरबीआई की बैलेंस शीट 20.61 प्रतिशत बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे सकल आय में 26.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए सीआरबी में 1.09 लाख करोड़ रुपए का बड़ा हस्तांतरण करने का भी निर्णय लिया, जो पिछले वित्त वर्ष के 44,861.70 करोड़ रुपए से काफी अधिक है। संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचा (ईसीएफ) सीआरबी को बैलेंस शीट के 4.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच बनाए रखने का लचीलापन प्रदान करता है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि सीआरबी अनुपात में कमी के बावजूद, उच्च प्रावधान आवश्यकताओं के कारण अधिशेष बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम रहा।

डिजिटल पीढ़ी के हाथों बदल रहा दवा बाजार, वेलनेस और लाइफस्टाइल थेरेपी में क्रांति

नई दिल्ली। भारतीय औषधि बाजार एक बड़े बदलाव के मुहाने पर है, जिसकी अगुवाई देश की इंटरनेट-कुशल और स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय जेन-जी पीढ़ी कर रही है। यह युवा वर्ग अब वेलनेस, रूप-रंग और जीवनशैली से जुड़ी थेरेपी की ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है, जिससे फार्मा उद्योग पारंपरिक प्रिस्क्रिप्शन-आधारित माडल से हटकर मांग-आधारित दृष्टिकोण अपना रहा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि 15 से 30 वर्ष की आयु वाली यह पीढ़ी, जो देश की कुल आबादी का करीब 26 प्रतिशत है, अपनी अनूठी जीवनशैली और डिजिटल जुड़ाव के कारण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती दे रही है। उद्योग जगत के विश्लेषण बताते हैं कि यह समूह मोटापा-रोधी, नेत्र चिकित्सा, त्वचा संबंधी चिकित्सा और मौखिक देखभाल की दवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। फार्मारैक की एक वाणिज्यिक उपाध्यक्ष के अनुसार अधिक स्क्रीन समय के कारण जेन-जी नेत्र-चिकित्सा पर काफी खर्च कर रहे हैं, जबकि त्वरित रूप-रंग सुधार की प्रवृत्ति ने इस समूह के कई लोगों को पतला दिखने के लिए मोटापा-रोधी दवाओं की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि उच्च प्रदूषण स्तर और इंस्टाग्राम द्वारा प्रचारित सौंदर्य संस्कृति ने इस पीढ़ी को त्वचा-चिकित्सा और श्वसन संबंधी दवाओं की खपत में 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी दिलाई है।

महिंद्रा स्कार्पियो एन फेसलिफ्ट में मिलेंगे सुरक्षा फीचर्स

नई दिल्ली। जल्द ही भारतीय बाजार में महिंद्रा अपनी लोकप्रिय एसयूवी स्कार्पियो एन के फेसलिफ्ट संस्करण को पेश कर सकती है। महिंद्रा इस एसयूवी में कई बड़े बदलाव करने की तैयारी में है, जिसमें डिजाइन के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, नई स्कार्पियो एन के बाहरी डिजाइन में हल्के बदलाव किए जा सकते हैं। इसके साथ ही, इंटीरियर को भी अधिक प्रीमियम और आधुनिक बनाया जाएगा, ताकि यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नई स्कार्पियो एन में 10.25 इंच का बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक नया सेंटर कंसोल और एक पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जा सकता है, जो तकनीकी रूप से इसे और उन्नत बनाएगा। इसके अलावा, एसयूवी में पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा और लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसी आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं भी मिलने की संभावना है।

दो पैन कार्ड मामले में आजम को बड़ा झटका

7 की सजा 10 साल हुई , जुर्माना भी बढ़ा

रामपुर, 23 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार (23 मई) को दो पैन कार्ड रखने के मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा पहले तय की गई 7 साल की सजा को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने बढ़ाकर 10 साल कर दिया है।

एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सिर्फ आजम खान और उनके बेटे की सजा ही नहीं बढ़ाई है बल्कि जुर्माने की राशि भी बढ़ा दी है। कोर्ट ने आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की सजा 7 साल ही बरकरार रखी लेकिन जुर्माना बढ़ा दिया है। पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दोनों को 7-7 साल की सजा सुनाई थी और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। एमपी-एमएलए कोर्ट के इस फैसले के बाद दोनों नेताओं की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

अभियोजन पक्ष की वकील सीमा राणा ने कहा कि यह दो पैन कार्ड से जुड़ा मामला था। निचली अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ आरोपियों ने सत्र न्यायालय में अपील दायर की थी। उन्होंने बताया कि आजम खान पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है और 10 साल की सजा सुनाई गई है। इससे पहले उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। वहीं, अब्दुल्ला आजम पर लगभग 3.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

बताते चलें कि इस मामले में बीजेपी विधायक आकाश कुमार सक्सेना ने मुकदमा दर्ज कराया था। वर्ष 2019 में सिविल लाइन कोतवाली में केस दर्ज किया गया था। 17 नवंबर 2025 को कोर्ट ने दोनों को दोषी करार दिया था और 7-7 साल की सजा और 50-50 हजार रुपये जुर्माना लगाया था। 19 नवंबर 2025 को सजा के खिलाफ आजम खान ने अपील दायर की थी, जिसे 20 अप्रैल 2026 को खारिज कर दिया गया।

दूसरी तरफ इस मामले को लेकर बीजेपी विधायक आकाश कुमार सक्सेना ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। आकाश सक्सेना ने कहा कि दो पैन कार्ड के मामले में यह ऐतिहासिक फैसला है। यह अपने आप में अनोखा फैसला है क्योंकि इस मामले में सजा बढ़ाने की अपील की गई थी और सजा बढ़ाई भी गई। अब्दुल्ला आजम की सजा बरकरार रखी गई है और उन पर जुर्माना भी लगाया गया है।

राघव चड्ढा को बड़ा पद, याचिका समिति के अध्यक्ष बनाए गए

नयी दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में बड़ा पद मिला है। राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राघव अभी हाल में ही बीजेपी में शामिल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, राज्यसभा चेयरमैन सी.पी. राधाकृष्णन ने पैनल में हाउस के 10 मेंबर्स को नॉमिनेट किया। राज्यसभा के एक नोटिफिकेशन में कहा गया, राघव चड्ढा को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। इसमें कहा गया कि पैनल को राज्यसभा चेयरमैन ने 20 मई से फिर से बनाया है।

याचिका समिति के सदस्यों में हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंक कुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाषिश खुंटिया, रवांग्रा नरजारी और पी. संदोष कुमार का नाम शामिल है।

राज्यसभा सेक्रेटेरिएट के मुताबिक, पिटीशन कमिटी पार्लियामेंट की सबसे पुरानी कमेटियों में से एक है और यह कॉलोनियल पीरियड की लेजिस्लेटिव असेंबली के समय से है। इसकी शुरुआत 15 सितंबर, 1921 को उस समय के काउंसिल ऑफ स्टेट में एक मेंबर के लाए गए एक रेजोल्यूशन से हुई थी। 1964 तक राज्यसभा में पिटीशन सिर्फ बिल और पार्लियामेंट के अपर हाउस में पेंडिंग बिजनेस से जुड़े मामलों के बारे में ही पेश की जा सकती थीं। 1964 के बाद, जब राज्यसभा के प्रो-सीजर के रूल्स में बदलाव किया गया, तो कमेटी का दायरा बढ़ा दिया गया। बदले हुए नियमों के मुताबिक, आम लोगों के हित के किसी भी मामले पर भी पिटीशन पेश की जा सकती हैं।

बता दें कि राघव चड्ढा हाल ही में आम आदमी पार्टी से छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। इसके साथ बीजेपी के राज्यसभा सांसदों की संख्या 113 हो गई, जबकि आम आदमी पार्टी सदन में सिर्फ तीन सदस्यों तक सिमट गई। राघव चड्ढा के साथ, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रमजीत सिंह साहनी और स्वाति मालीवाल भी बीजेपी में शामिल हो गए थे।

डिजिटल युग में भी नकदी का अभूतपूर्व उछाल, परिचालन में रिकार्ड 42.86 लाख करोड़

चुनावी खर्च, ग्रामीण मजबूती और महंगाई ने बढ़ाई नकदी की मांग; अर्थव्यवस्था में नकद का जारी है बोलबाला

नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल भुगतान के बढ़ते प्रचलन के बावजूद नकदी के परिचालन में अभूतपूर्व तेजी दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 15 मई तक देश में मुद्रा का परिचालन सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़कर 42.86 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा न केवल नकदी की निरंतर मांग को रेखांकित करता है, बल्कि अर्थव्यवस्था में इसके अंतर्निहित कारणों पर भी बहस छेड़ता है, जो डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों के बावजूद नकदी आधारित लेन-देन की मजबूती को दर्शाता है। यह जबरदस्त उछाल बताता है कि वित्त वर्ष 2026-27 के पहले डेढ़ महीनों में ही मुद्रा के परिचालन में 1.15 लाख करोड़ रुपये की भारी वृद्धि हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक (31 मार्च, 2026) यह आंकड़ा 11.9 प्रतिशत बढ़कर 41.47 लाख करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले यह 32.24 लाख करोड़ रुपये था। यह स्थिति तब सामने आई है जब भारत डिजिटल लेन-देन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक बन गया है, जो नकदी के प्रति लोगों के स्थायी झुकाव को दर्शाता है। अर्थशास्त्रियों ने इस बढ़ती नकदी मांग के पीछे कई प्रमुख कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। इनमें चुनावी गतिविधियों से जुड़ा भारी खर्च, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आई मजबूती और वित्तीय संपत्तियों में अस्थिरता के बीच नकदी को एक एहतियाती उपाय के रूप में रखने की बढ़ती प्रवृत्ति शामिल है। बैंक आफ बड़ौदा के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में परिचालन में मुद्रा में वृद्धि कई कारकों से प्रेरित प्रतीत होती है। नकदी अभी भी बड़ी संख्या में लेन-देन के लिए पसंदीदा माध्यम बनी हुई है, जबकि चुनाव-संबंधी खर्च भी आम तौर पर मतदान अवधि से पहले मुद्रा की मांग में वृद्धि का कारण बनता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चलो...

शिवलिंग के दर्शन करते हुए दिख रहे हैं। माना जा रहा है कि जवान सुरक्षा संबंधित रेकी करने गए थे। सूत्रों की मानें तो यह वीडियो 19-20 मई के आसपास का है, हालांकि इन तस्वीरों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बर्फ से प्राकृतिक रूप से बने हिम शिवलिंग का पूर्ण और भव्य स्वरूप देख श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। हर साल की तरह इस बार भी बाबा बर्फानी व शिव परिवार का पूर्ण आकार में प्रकट होना बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है जिससे भक्तों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर यह फोटो और वीडियो सामने आने के बाद देशभर के शिव भक्तों में जबरदस्त उत्साह है।

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अनुसार इस साल की 57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगी। दोनों रूटों पहलगाम और बालटाल से तीर्थयात्रियों का पंजीकरण पहले ही शुरू हो चुका है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार अभी तक साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर प्रशासन की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। दोनों मार्गों पर बर्फ हटाने का काम भी तेजी से चल रहा है। वहीं श्राइन बोर्ड ने अपील की है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु केवल आधिकारिक रूप से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें और बिना पंजीकरण यात्रा न करें। मौसम और स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

गौरतलब है कि हिंदू धर्म के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक अमरनाथ यात्रा, दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा में हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करती है। यात्रा के बुनियादी ढांचे से संबंधित एक महत्वपूर्ण विकास में, लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा हाल ही में श्रीनगर के पंथा चौक में श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए बनाए गए यात्री निवास का भी दौरा किया और कार्यों का जायजा लिया। इसके अलावा उनके निर्देशानुसार जिला उपायुक्त - श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल और बांदीपोरा द्वारा भी समय-समय पर समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है और स्पॉट-विजिट भी किया जा रहा है। इसके अलावा आईजीपी कश्मीर जोन वीके बिर्दी ने भी शुक्रवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए यात्रियों की सुरक्षा के संबंध में समन्वित योजना तैयार करने को कहा ताकि यात्रियों का अनुभव सुगम रहे।

हिजबुल्लाह...

लश्कर और हिजबुल्लाह के हाइब्रिड मॉडल की वजह से इसे खतरनाक बताया जा रहा है। सूत्रों ने आशंका जताई है कि हिजबुल्लाह से जुड़ा शादाब पहले यहां आतंकियों को ड्रोन और आत्मघाती हमलों की ट्रेनिंग भी देगा। हिजबुल्लाह लेबनान का आतंकी संगठन है, जो आत्मघाती और ड्रोन हमलों में एक्सपर्ट है। सूत्रों से पता चला है कि तश्कर-ए-तैयबा ने अपने ओवर ग्राउंड वर्कर नेटवर्क को एक्टिव किया है, ताकि संवेदनशील जगहों और उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। आतंकियों के निशाने पर छह संवेदनशील जगहें हैं। ओजीवी के जरिए वे यहां आने-जाने वालों के पैटर्न और सुरक्षा इंतजामों से जुड़ी जानकारी जुटा रहे हैं। खुफिया एजेंसियों को 15 मई के आसपास भी एक अलर्ट मिला। इसमें बताया गया कि राजौरी एरिया से आए कुछ लोग गुलमर्ग होते हुए बदरकोटा पहुंचे। फिर यहां से दूधपथरी की ओर गए। इनमें से कम उम्र का एक लड़का बैग लेकर घोड़े से घने जंगल की तरफ गया, लेकिन लौटा नहीं। खुफिया एजेंसियां इस लड़के के बारे में जानकारी जुटा रही हैं।

आईएसआई ने हमास को भी दी थी ट्रेनिंग

कश्मीर में क्या पहली बार लेबनानी आतंकी ने घुसपैठ की है, ये कितना बड़ा खतरा है। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद कहते हैं, 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अलग-अलग बॉर्डर पर तैनात सैनिकों को कारगिल मूव करना पड़ा था। उस वक्त पाकिस्तानी सीमा से काफी संख्या में आतंकियों ने घुसपैठ की थी। उसमें पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, सीरिया, ईरान और अन्य देशों के आतंकी भी थे। हो सकता है कि तब लेबनानी आतंकी भी आए हों, लेकिन इसकी कंफर्म जानकारी नहीं है। वे आगे कहते हैं, करीब डेढ़ से दो साल पहले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हमास के साथ जैश और लश्कर के कैंप में ट्रेनिंग कराई थी।

खुफिया रिपोर्ट से पता चला है कि आईएसआई समर्थित आतंकी शहजाद भट्टी ने जम्मू-कश्मीर के गैंगस्टर, स्मगलर और युवाओं को ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी दी है। जम्मू से सटे पंजाब के इलाकों में भी इन्हें एक्टिव किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और आर्मी इनके निशाने पर है। साथ ही एक खास राजनीतिक दल के लोग भी टारगेट पर हैं। 13 मई को महाराष्ट्र एटीएस की छापेमारी में शहजाद का पंजाब, दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र में नेटवर्क भी मिला है। 57 लोगों को हिरासत में लिया गया। छापेमारी में हथियारों की सप्लाई से लेकर ड्रग्स तस्करी से जुड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ।

वक्फ वकील...

डीसीपी रक्षिता कृष्ण मूर्ति ने कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि मलकपेट और अन्य इलाकों में वक्फ बोर्ड की जमीनों के विवादों से जुड़े लोग इसमें शामिल हो सकते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि यह हमला मोइजुद्दीन द्वारा संभाले गए कानूनी मुकदमों से जुड़ा हो सकता है, जो कथित अतिक्रमण और वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे से संबंधित थे। हैदराबाद पुलिस ने अपराध में कथित तौर पर उपयोग की गई स्कॉर्पियो वाहन का पता लगाने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। कई स्थानों से सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है।

बेटे ने लगाए गंभीर आरोप

घटना के बाद मीडिया से बातचीत में मोइजुद्दीन के बेटे और वकील फरहान ने आरोप लगाया कि उनके पिता को संवेदनशील वक्फ जमीन के मामलों को आगे बढ़ाने के लिए बार-बार निशाना बनाया गया था। उन्होंने दो व्यक्तियों, मुजाहिद आलम खान और मेहबूब आलम खान पर उनके पिता को मामलों को लेकर धमकाने और परेशान करने का आरोप लगाया। फरहान के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर सार्वजनिक वक्फ जमीनों को निजी ट्रस्टों में बदलने और संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर में शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि उनके पिता अदालतों में ऐसे कई मामलों की लड़ाई लड़ रहे थे।

यह छठा हमला था

फरहान ने आरोप लगाया कि उनके पिता ने अतीत में भी उन मामलों की प्रकृति के कारण कई हमले झेले और खुद को जीवित बचाया था। उन्होंने दावा किया कि यह मोइजुद्दीन पर छठा हमला था। वकील पर कथित तौर पर पहले उनके गनफाउंड्री कार्यालय में हमला किया गया था और कुछ साल पहले सुबह की नमाज के दौरान एक मस्जिद के पास एक और हमले का सामना करना पड़ा था। फरहान ने आगे कहा कि परिवार को अज्ञात व्यक्तियों से लगातार धमकी भरे फोन कॉल मिल रहे थे।

एक और गंभीर आरोप में फरहान ने कहा कि एक आरोपी ने लगभग छह महीने पहले हिमायतनगर में उनके कार्यालय का दौरा किया था और उनके पिता द्वारा आगे बढ़ाए जा रहे कानूनी विवादों को लेकर अंतिम चेतावनी दी थी।परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें, उनकी मां, बहन और जीजा को गंभीर खतरा है। अगर मेरे परिवार के किसी सदस्य के साथ कुछ भी होता है, तो इन दोनों आरोपियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

वकीलों ने सुरक्षा की मांग की

इस घटना ने कानूनी हलकों में चिंता पैदा की है, और वकीलों ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है साथ ही संवेदनशील और हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने वाले वकीलों के लिए मजबूत सुरक्षा की भी मांग की है। फरहान ने सरकार और वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं से विवादास्पद मामलों से निपटने वाले वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की, यह कहते हुए कि वकीलों पर हमले कानून के शासन के लिए एक गंभीर खतरा हैं।इस बीच, पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है और वकील की मृत्यु में शामिल लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

ट्रंप की बेटी...

अल-सादी का मकसद ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेना था।

वॉशिंगटन स्थित इराकी दूतावास के पूर्व अधिकारी एंतिफाध कानबार ने न्यूयॉर्क पोस्ट से बताया कि कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका ट्रंप को मारना चाहिए, ताकि डोनाल्ड ट्रंप के घर को उसी प्रकार से चोट पहुंचाई जा सके, जैसे उन्होंने हमारे घर को पहुंचाई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 24 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सांवरिया सेठ भक्त मंडल का श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह संपन्न

हरिरामजी शास्त्री ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष का कराया रसपान

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सांवरिया सेठ भक्त मण्डल हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतिम दिवस की कथा श्री राधाकृष्ण धाम शृंग ऋषि भवन फीलखाना में सम्पन्न हुई। भक्तिभाव और वैराग्य से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न कथा में व्यास पीठ पर विराजमान विश्वविख्यात कथा वाचक श्री हरिरामजी शास्त्री ने सुदामा चरित्र तथा परीक्षित मोक्ष की कथा का रसपान कराते हुए राजा परीक्षित को मोक्ष तथा शुकदेव जी महाराज के उपदेश की व्याख्या की और कलियुग में नाम-स्मरण की महिमा पर विशेष प्रकाश डाला। हरिरामजी शास्त्री ने कहा कि मानव जीवन क्षणभंगुर है और संसार के मोह में उलझने के बजाय भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति को जीवन का आधार बनाना चाहिए, सच्चे भाव से की गई भक्ति से ही जीव का कल्याण संभव है। कथा समापन पर आयोजकों द्वारा संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि भागवत कथा आज भी जनमानस को भक्ति, सेवा और सदाचार के मार्ग पर प्रेरित करती है। श्री रामदेव मित्र मंडल सिकंदराबाद अध्यक्ष गजेंद्र कोलरिया (गज्जू भाई कोलरिया), सिखवाल प्रगति समाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा कथावाचक श्री हरिरामजी शास्त्री तथा आयोजक समिति सांवरिया सेठ भक्त मंडल का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

भागवत कथा की आरती के पश्चात महायज्ञ तथा भोजन प्रसादी का आयोजन सम्पन्न हुआ। समिति द्वारा सभी भक्तों का तथा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों का आभार प्रकट किया गया।

पुरुषोत्तम मास में जलाराम सेवा समिति महिला मंडल द्वारा मंडप मनोरथ आयोजित

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जलाराम सेवा समिति महिला मंडल की ओर से श्री गुजराती सेवा मंडल, जीरा एसएल, सिकंदराबाद में परम पावन पुरुषोत्तम मास के अवसर पर मंडप मनोरथ कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया।कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए धार्मिक आयोजन को सफल बनाया। पूरे वातावरण में भक्ति एवं आध्यात्मिकता का भाव देखने को मिला। इस अवसर पर रश्मि पालन, जयश्री राजाणी, ममता मांडवीया, काजल, पूर्वी, पायल, अस्मिता, भावना सहित अन्य सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। सभी ने पुरुषोत्तम मास के महत्व को आत्मसात करते हुए धार्मिक कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

आरजीए युवा साथी एवं प्रतिभा विकास समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

7 जून को होगा प्रतिभा विकास कार्यक्रम एवं यूथ कॉनक्लेव का आयोजन

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ की ओर से आगामी 7 जून को अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में आयोजित होने वाले प्रतिभा विकास कार्यक्रम एवं यूथ कॉनक्लेव की तैयारियों को लेकर आरजीए युवा साथी और आरजीए प्रतिभा विकास समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अध्यक्ष मनोज गोयल के निवास स्थान पर आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

राजस्थानी स्नातक संघ के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि आरजीए प्रतिभा विकास समिति द्वारा प्रतिभा विकास कार्यक्रम तथा आरजीए युवा साथी द्वारा यूथ कॉनक्लेव का आयोजन किया जाएगा। दोनों समितियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण किया।

जुलाई 2025 से जून 2026 तक प्रतिभाओं का होगा सम्मान

प्रतिभा विकास कार्यक्रम के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय ने जानकारी देते हुए बताया कि जुलाई 2025 से जून 2026 तक विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले समाजबंधुओं को राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम से संबंधित अन्य जानकारियां आगामी दिनों में समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की जाएंगी।

युवाओं को मिलेगा अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच

आरजीए युवा साथी के अनिरुद्ध लाहोटी एवं श्री नारायण तोषनीवाल ने बताया कि युवा साथी द्वारा आयोजित यह पहला कार्यक्रम होगा। यूथ कॉनक्लेव में संगीत, वाद-विवाद, ग्रुप डिस्कशन, स्टैंडअप कॉमेडी, मोटिवेशनल स्पीच, मॉक पार्लियामेंट आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं के लिए, युवाओं द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

संविधान संशोधन के बाद हुआ युवा साथी का गठन

अध्यक्ष मनोज गोयल ने बताया कि युवाओं को संस्था से जोड़ने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्था के संविधान में संशोधन कर आरजीए युवा साथी का गठन किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 7 जून को आयोजित होने वाला यूथ कॉनक्लेव संस्था को नई दिशा प्रदान करेगा।

बैठक में अध्यक्ष मनोज गोयल, उपाध्यक्ष सम्पत दरक, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, प्रतिभा विकास समिति के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय, मनीष अग्रवाल, युवा साथी के श्री नारायण तोषनीवाल, लक्ष्य भट्टड़, देवांश अग्रवाल, संदेश अग्रवाल, हरि प्रिया गोयल, देवाशीष गोयल, अभिजीत अग्रवाल, उमंग दरक सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का अंतिम दिन उत्साह एवं धार्मिक वातावरण के साथ संपन्न हुआ। शिविर का आयोजन चेयरमैन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा एवं बच्चों द्वारा श्लोक पाठ के साथ हुई। शिविर के अंतिम दिन बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

मेंटर श्रीमती नीति जी ने बच्चों को आर्ट एवं क्राफ्ट की विभिन्न गतिविधियां सिखाईं। बच्चों ने रचनात्मक कार्यों में रुचि दिखाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खुशी अग्रवाल जी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में रिद्धि सिद्धि महिला मंडल द्वारा आयोजित भागवत कथा का रसपान सूर्यप्रकाश जी सिखवाल के मुखांग से भक्तों ने किया। इस अवसर पर सिखवाल समाज नागौरपट्टी क्षेत्रीय द्वारा महाराज जी व आयोजन समिति का शॉल व माला से सम्मान करते हुए रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, गोपालकृष्ण तिवाडी, ओमनारायण पंडित, लक्ष्मीनारायण ओझा व अमर जायलवाल।

इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज इशान किशन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। सनराइजर्स हैदराबाद की इस यादगार जीत का जश्न भी खास अंदाज में मनाया गया। इस अवसर पर लव फॉर काउ फाउंडेशन और प्राणी मित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के सदस्य चिन्मय सिद्धार्थ शाह ने इशान किशन के साथ जीत की खुशी साझा की और टीम के शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी।

गौ सेवा मित्र मंडल का उत्सव सांवरे का आज

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में श्री श्याम वार्षिक उत्सव 'उत्सव सांवरे का रविवार को सायं 6:31 बजे से प्रारंभ होकर प्रभु इच्छा तक चलेगा। इसी संदर्भ में गौ सेवा मित्र मंडल के सदस्यों के साथ मनोज अग्रवाल के निवास स्थान पर भजनों की तैयारी एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनोज अग्रवाल ने बताया कि श्री श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार एवं अद्भुत दरबार घास एवं सब्जियों से सजाया जाएगा, जिससे संपूर्ण गौशाला का माहौल भक्तिमय एवं यादगार रहेगा।

बैठक में मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, विजय अग्रवाल, सचिन कनोडिया, अनिल विजयवर्गीय, रविंदर अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, मनीष मोर, सचिन अग्रवाल, सुनील जायलिया, राखी अग्रवाल, रानी अग्रवाल, मीना अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा के रामचरण महाराज एवं समर्थ कामधेनु गौशाला के प्रभुदत्त महाराज का पावन सानिध्य रहेगा। वहीं गोशामहाल विधायक टी. राजा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। भजन संध्या में कोलकाता से प्रकाश मिश्रा तथा भाग्यनगर से संजय दाहिमा एवं अनुराग भुतड़ा अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे।

ऋषि श्रृंग भवन में सांवरिया सेठ एवं सहयोगी बंधुओं द्वारा हरिराम जी शास्त्री के मुखांग से भागवत कथा जारी है। इस अवसर पर सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय द्वारा महाराज जी व सांवरिया सेठ आयोजन समिति के सदस्यों का शॉल व माला से सम्मान करते हुए अनिल जायलवाल, रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, गोपाल कृष्ण तिवाडी, ओमनारायण पंडित व अमर जायलवाल।

टीजीएसपीडीसीएल ने फिर तोड़ा रिकॉर्ड

पीक पावर डिमांड 4,782 मेगावाट पहुंची

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में पीक पावर डिमांड के मामले में एक और नया मील का पत्थर हासिल किया है, जिससे पीक गर्मी की मांग के बीच भी उसके बिजली वितरण नेटवर्क की मजबूती और तत्परता साबित हुई है। 22 मई 2026 को जीएचएमसी क्षेत्र में 15:33 बजे 4,782 मेगावाट की पीक डिमांड और 101.07 मिलियन यूनिट की बिजली खपत दर्ज की गई। इसने 21 मई 2026 को बने पिछले पीक डिमांड रिकॉर्ड 4,766 मेगावाट और 21 मई 2026 को ही बने पिछले खपत रिकॉर्ड 100.83 मिलियन यूनिट को पीछे छोड़ दिया।

पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

2 से 9 जून तक कोठी स्थित समाजवाड़ी में होगा धार्मिक आयोजन

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के शुभ अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन आगामी 2 जून से 9 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। धार्मिक आयोजन प्रतिदिन मध्याह्न 3 बजे से सायं 7 बजे तक संपन्न होगा। यह आयोजन विशामोढ़ गौभुजा समाजवाड़ी, गिरिराज लेन, गुजराती गली, कोठी, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा, जहां श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर सकेंगे।

कथा का रसपान प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता पंडित मनोज त्रिवेदी द्वारा कराया जाएगा। कथा के माध्यम से भक्तों को श्रीमद्भागवत महापुराण के आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत कराया जाएगा।

आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करें तथा धर्म लाभ प्राप्त करें। साथ ही अपने परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है।

सुल्तान बाजार पुलिस ने 48 घंटे के भीतर कैश-इन ट्रांजिट एटीएम चोरी का मामला सुलझाया

आरोपी को गुलबर्गा से किया गिरफ्तार, नकदी बरामद

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तान बाजार पुलिस ने 48 घंटे के भीतर एक कैश-इन-ट्रांजिट एटीएम चोरी का मामला सफलतापूर्वक सुलझा लिया है और बैंक जमा के लिए सौंपी गई नकदी का दुरुपयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शेख रहमान, उम्र 46 वर्ष, के रूप में हुई है, जो कार ड्राइवर का काम करता था और हैदराबाद के बोवेनपल्ली का निवासी है। उसे कर्नाटक के गुलबर्गा में गिरफ्तार किया गया। इस ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने कुल 9,53,760/- रुपये की नकदी, एक सैमसंग गैलेक्सी एम31 मोबाइल फोन, एक टॉमी हिलफिगर नीले रंग का बैग, और अपराध में उपयोग की गई टोयोटा इनोवा क्रिस्टा वाहन की चाबी बरामद की।

गड्डम मल्लेश, क्लियर्ड सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (सीएसएस) के कैश कस्टोडियन द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार, 19.05.2026 को नकदी संग्रहण टीम, जिसमें दो कस्टोडियन, एक गनमैन और ड्राइवर शेख रहमान शामिल थे, ने विभिन्न वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से नकदी एकत्र की और कोटी के बैंक स्ट्रीट स्थित एसबीआई मुख्य शाखा में जमा करने के लिए पहुंची। जब कस्टोडियन नकदी का एक हिस्सा लेकर बैंक के अंदर गए और गनमैन कुछ देर के लिए दूर हट गया, तब आरोपी ने रश्रश्रशसशवश्रू बिना निगरानी वाले वाहन का फायदा उठाया और नकदी के बैग रखे हुए कैश-इन-ट्रांजिट वाहन के साथ फरार हो गया। वाहन बाद में किंग कोटी के पास जिला अस्पताल के समीप बेसहारा हालत में मिला, और यह पाया गया कि दो कैश बैग जिनमें कुल 9,63,465/- रुपये की राशि थी, जो डी-मार्ट और मंगल्या शॉपिंग मॉल की थी, चोरी हो चुके थे।

लगातार जांच और तकनीकी ट्रैकिंग के माध्यम से, आरोपी का पता कर्नाटक के गुलबर्गा में लगाया गया, जहां एक विशेष पुलिस टीम ने उसे गुलबर्गा बस स्टैंड के पास सबेरा गेस्ट हाउस से गिरफ्तार किया और चोरी की गई नकदी बरामद की।

यह ऑपरेशन श्री जी. नरेश, एसएचओ, सुल्तान बाजार पुलिस स्टेशन के नेतृत्व में किया गया, जिन्हें श्री डी. वेणु, पुलिस सब-इंस्पेक्टर, के साथ-साथ पुलिस कर्मियों सी. संदीप, पीसी-5182 थाना सुल्तान बाजार, और के. अभिलाष, पीसी-7210 थाना नारायणगुड़ा के सहयोग से अंजाम दिया गया। यह पूरा ऑपरेशन एसीपी, सुल्तान बाजार डिवीजन, हैदराबाद की निगरानी में संपन्न हुआ।

गोशामहाल पुलिस ने लूट के मामले का किया खुलासा

चोरी की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहाल पुलिस ने एक दर्ज लूट के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है और लगभग 13 ग्राम वजनी, 60,000/- रुपये मूल्य की एक सोने की चेन सहित चोरी की गई संपत्ति बरामद की है।

इस मामले की शिकायत श्री रमेश कुमावत द्वारा दर्ज कराई गई थी, जिन्होंने बताया कि 19/20-05-2026 की मध्यरात्रि लगभग 01:00 बजे, जब वह अपनी मोटरसाइकिल पर हैदराबाद के ग्यानबाग कॉलोनी, अंबा भवानी मंदिर के समीप अपने घर लौट रहे थे, तब एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोका, उन पर हमला किया, और जबरदस्ती उनकी सोने की चेन लूटकर मौके से फरार हो गया।

जांच के दौरान, आरोपी व्यक्ति लालाजी पवन कुमार उर्फ साई उर्फ दुर्लभ, उम्र 22 वर्ष, गोशामहाल का निवासी और वर्तमान में हैदराबाद के तिलक नगर, नल्लाकुंटा में रहने वाला, की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी कथित तौर पर नशे की हालत में और पैसों की जरूरत के चलते, रात के देर घंटों में अकेले यात्रा कर रहे पीड़ित को जानबूझकर निशाना बनाया। अपराध करने के बाद, आरोपी ने चोरी की सोने की चेन को अपने निवास पर बाद में बेचने के लिए छिपा कर रखा था। पुलिस ने उसकी कब्जे से चोरी की गई संपत्ति सफलतापूर्वक बरामद की।

यह गिरफ्तारी और बरामदगी गोलकोंडा जोन के उप पुलिस आयुक्त श्री चंद्र मोहन और गोशामहाल डिवीजन के एसीपी श्री के. चंद्र शेखर रेड्डी की निगरानी में, पुलिस निरीक्षक (डिटेक्टिव) श्री ई. नरसिम्हा नायक के सक्रिय प्रयासों के साथ-साथ गोशामहाल पुलिस स्टेशन के स्टाफ द्वारा की गई।

दो राउडी शीटर्स के खिलाफ पीडी एक्ट

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वी.सी. सज्जनार, पुलिस कमिश्नर हैदराबाद शहर के आदेशानुसार, रेन बाजार पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट की कार्रवाई दो कुख्यात राउडी शीटर्स के खिलाफ शुरू की है। इन अपराधियों के नाम 1) ओमर बिन हमजा अल जब्री और 2) अली बिन हमजा अल जब्री हैं, जो शहर की सीमा में हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, आपराधिक धमकी, और आम जनता की शांति एवं सुरक्षा भंग करने सहित कई गंभीर अपराधों में लगातार संलिप्त रहे हैं।

उनके खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें हत्या के अपराध, स्थानीय निवासियों से जबरन वसूली, मासूम लोगों को गंभीर परिणामों की धमकी देना, और सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव को प्रभावित करने वाली अन्य गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं।

उनकी संगीन अपराधों में लगातार संलिप्तता और आदतन अपराधिक गतिविधियों को देखते हुए, रेन बाजार पुलिस ने उनके खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट लागू करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए, ताकि उन्हें सार्वजनिक व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के रखरखाव के लिए पूर्वाग्रहकारी गतिविधियों में आगे संलिप्त होने से रोका जा सके।

इन प्रस्तावों पर कार्रवाई करते हुए और आरोपी व्यक्तियों द्वारा किए गए अपराधों की गंभीरता को देखते हुए, सक्षम प्राधिकारी ने राउडी शीटर्स अली बिन हमजा अल जब्री और ओमर बिन हमजा अल जब्री के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट के तहत नजरबंदी के आदेशों को मंजूरी दी है।

प्रगतिनगर सीनियर सिटिज़न्स एसोसिएशन के विकास हेतु 50,400 का चेक प्रदान

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रगतिनगर सीनियर सिटिज़न्स एसोसिएशन के विकास कार्यों के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष C.H. Kamaiah ने 50,400 की सहयोग राशि प्रदान की। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने यह चेक एसोसिएशन के ट्रेज़रर को सौंपा।

इस अवसर पर अध्यक्ष कामैया ने कहा कि एसोसिएशन के विकास एवं वरिष्ठ नागरिकों के हित में विभिन्न गतिविधियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह सहयोग राशि प्रदान की गई है। सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया। कार्यक्रम में एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य जी. कामेश्वरावु, पी.वी. सीतारामरावु, आर.वी. रमणमूर्ति, हुलकुंटोजी राव, रामराव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एसोसिएशन के विकास के लिए आर्थिक सहयोग देने पर अध्यक्ष कामैया को बधाई दी।

धोखाधड़ी और धमकी मामले में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोलकोंडा जोन गोशामहाल पुलिस स्टेशन ने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश और आपराधिक धमकी के एक मामले में एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान चंदन सिंह उर्फ शामजी उर्फ लालाजी, उम्र 54 वर्ष, के रूप में हुई है, जो घरेलू उपकरणों का व्यवसाय करता है और हैदराबाद के बेगम बाजार में रहता है, मूल रूप से राजस्थान का निवासी है। दो अन्य आरोपी व्यक्तियों, नामतः पंकज जैन और अजीत जयंतिलाल शाह, के साथ-साथ अन्य लोग फरार हैं। जांच के दौरान, आरोपी द्वारा उपयोग किया गया एक सैमसंग जेड फोल्ड 6 मोबाइल फोन जब्त किया गया।

14-04-2026 को मोहम्मद जकरिया शेख द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, आरोपी व्यक्तियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय उद्यम में उच्च रिटर्न की झूठी आश्वासन और प्रलोभन के माध्यम से शिकायतकर्ता का विश्वास जीता और

77,50,000/- रुपये की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से एकत्र की, जो अजीत ट्रेडिंग, मुंबई को किए गए। शुरुआत में, आरोपी ने कथित तौर पर विश्वास बनाने के लिए पहले के निवेशों को मुनाफे के साथ वापस किया और बाद में शिकायतकर्ता को दो दिनों के भीतर चुकौती का वादा करके बड़ी राशि निवेश करने के लिए राजी किया।

इसके बाद, आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर फरार हो गए, झूठे बहाने पर शिकायतकर्ता से बचते रहे, राशि चुकाने में विफल रहे, और बाद में उसे गंभीर परिणामों की धमकी दी। जांच के दौरान यह और भी सामने आया कि आरोपी कथित तौर पर हवाला लेन-देन में संलिप्त थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपी को 21.05.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जनता को सलाह दी जाती है कि वे निजी व्यवसाय योजनाओं, ट्रेडिंग उद्यमों, या अल्प अवधि में असाधारण रूप से उच्च रिटर्न का वादा करने वाले निवेश अवसरों में पैसा निवेश करते समय सावधानी बरतें।

धोखेबाज अक्सर पीड़ितों को बड़ी राशि निवेश करने के लिए प्रेरित करने से पहले शुरुआत में छोटे मुनाफे वापस करके विश्वास हासिल करते हैं। नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे किसी भी संदिग्ध वित्तीय गतिविधि या धोखाधड़ी की घटना की तुरंत रिपोर्ट निकटतम पुलिस स्टेशन में या डायल 100 के माध्यम से करें।

यह गिरफ्तारी गोशामहाल पुलिस स्टेशन के स्टाफ के सक्रिय सहयोग से की गई, जो गोलकोंडा जोन के डीसीपी श्री जी. चंद्र मोहन और गोशामहाल डिवीजन के एसीपी श्री के. चंद्र शेखर रेड्डी के मार्गदर्शन में थी।

SHED on RENT

FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.

Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

बीवीआई द्वारा बाल संस्कार शिविर में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

योग, डांस, ड्राइंग एवं मंत्रोच्चारण प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र 104 की ओर से बाल संस्कार शिविर के अंतर्गत योगा, डांस, ड्राइंग, श्लोका, मंत्रोच्चारण तथा आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्रीनिवासजी बगाड़े के निवास स्थित लिटिल पिबेल्स इंटरनेशनल प्री-स्कूल, कारवान में किया गया।

यह आयोजन श्रीमती तुलसी बगाड़े (बाल कल्याण निदेशक), अमृता वर्षिनी बगाड़े, हर्षिनी बगाड़े एवं अश्विनी प्रवीण पतंगे (अध्यक्षा) के सहयोग से संपन्न हुआ। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा और सांस्कृतिक ज्ञान का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं अल्पाहार वितरित किया गया। साथ ही बाल संस्कार शिविर के सफल आयोजन में योगदान देने वाली श्रीमती तुलसी बगाड़े (बाल कल्याण निदेशक), अमृता वर्षिनी बगाड़े एवं हर्षिनी बगाड़े को शॉल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर घनश्याम पतंगे (मंत्री), नरेन्द्र ज्ञानमोटे, अर्चना सुत्रावे, ज्योति गडाले, सुलभा महेन्द्रकर, ज्योति पतंगे सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संस्कार, रचनात्मकता एवं भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करना रहा।

पूर्व मंत्री एवं बीजेपी प्रवक्ता शाह नवाज़ हुसैन के नगरागमन पर उनका शॉल द्वारा सम्मान करते हुए बीजेपी स्टेट एग्जीक्यूटिव मेम्बर गोविंद नारायण राठी। साथ में हैं मनोज जयसवाल , मुकेश सोनी एवं पवन कुमार।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.